MANUScript 14
Hindi
1215
CHAKATSA - SAR
1215-MS
1938 VIKRMI

चिकित्सा सार ; हिन्दी भाषा
तथा लि०
५४ पत्रक लं० ग० २०पं० अ० पृ०

ॐश्री गणेशायनमः

ॐ गवैनमः ॥ अथ चिकित्सासार प्रारंभः ॥ दोहा ॥
कमलवदुदुतमालनागवद्दुवकरदनयुत वर्दविदे
प्रतपालहरैविघ्नप्रमराधपत १ कर्मुरलीउमैालसुवर
मुकटसिरमउरधन सषांखणलीवयुवालहरैविघ्न
घनस्यामजू २ छंप: ललयवंदुगजवंद्रवर्दविक्रमा
सुषदायक जेहष्णदेखहजअवरेयुरदिननायक
यावयुविंदप्रसादप्रसादसारग्रंथनकोलीनो नाम
चकित्सासारग्रंथयहभाषाकीनो लपावमहिजर
ललडीतांकोनंद्धीरधर करयोग्रंथमल्योकह्लते
होमल्यारतुमवैद्यवरः ३ दोहा पायवल्यरेयु चिस
कोकरयो ॥ चकित्साग्रंथ मतअनुसारविचारके
लेकरयतांत्रकग्रंथ ४ अथप्रभाव: छंप त्रैरसीव
तयेनस्तानरत्नीकोमासा चौमासेकोटंकमासद
सकर्षप्रकासा चारकर्षपलजान चारपलतोल
अुवनक चारकुडवकोप्रस्थ प्रस्थचारकोअा
ढक हीनवलीमंदाग्नीतांतैलघुनरैलयुगी नां क
तेकहीविचारयहमायाकालिंगकी ५ अडल
रचीनेलैऊवैडेतकरजोलीयये गीलीसूषी
दर्वेभागसमकीजये अस्थप्रादलैगीलोड

डुगनविचारीये ६ युनानीमततचो: छेरनीकोदाम
प्रकास्या रमीप्राठकोकीनेमासा साठत्रमासकोकी
नोष्याल साठचारमासेमिसकाल ७ कारामासेने
लानाम चौदहिमासकहियेदाम रतलमाषी।
एदामवनीस रत्तलदाय प्रमारजोदीस मनसेस्या
मीतांकीकह सेरनामहिंदवीलहे यूनानकाजा
नप्रमान करविचहारसवैद्यसजान ९ युक्तायुक्त
विचार: छप समाकहेविनप्रातप्रगंविनजटास
लीजे मानकहेविनतज्ञपात्रविनमृतकादीजै
एकपाषबधीमाहवारहेदर्बवषाना ताकोडुग्ना
षानकह्मोताकेप्रमाना सूकोनूतनदर्बलेसबै
कर्ममेडारीये गीलोनेडुगनाकरेयुक्तायुक्त
विचारीये १० षडल वांसाकुडागलोयसतावर
जानीये प्रसगंधपुनपठासीपवषानीये पुन
रनवायहदर्बयोगीलालीजये कहयोसास्त्रप्रमा
सारडुगननहीकीजये ११ चौ. चूर्णमासदोय
वोपरे हीनवीर्ययहगुननहीकरे गोलीकही
बर्षउपरांत होयप्रबासनेगुनतेशांत १२
कह्मोनेलपुनषट्तप्रवलेह चारमासलेगुन
विनतेह गुडप्रासवारसधांनपुरानो। दिनदि
नहोवेगुनकीषानी कवित मेदामहामेदा
केप्रमावमेसतावरीलेजीवकऋषभविनवै
वारीयविदारीयुत ऋद्धिवृद्धिविनकंदप्रानी

येव राहीको हानोवंको लीविन लीजे प्रसंग धमत ।
मिश्रीके अभाव षांड चावल विन साठी ले मधु को
अभाव लीजे गुड को पुराने । प्रत चंद्रमला वाके अ
भाव रक्त चंद्र ले दाल चीनी विन लेवं सलोच नाम
त १२ क॰ करणि भाव समता विसर्पविष प्रमेह गह
यो है जाठ कुष्ट ष्वास कास को । अपची गलगंड रोग
। आम अतीसार मेद कफपित्त रोग कीयातन मे प्रकास
को नासा लाल होठ पाकपीनस अपस्मार ज्वर ।
उन्माद रक्त अतिसार यासको । अरुची मंदाग्नि अ
जीर्ण होय उत्र रोग यागयां के अंगदो षोछर्दि करा
वो नासको १४ तिमरी गुल्मी जठरी वाल बाउ छर्दि
नारगर्भ के नाल क्षत स्थूल वृद्ध मन न रषो क्षे
मीपांडरोगी पुनम रषो १५ उदावर्त ल घाती जान के
वलवात रोग पहचान उर्ध रक्तपित्त पुरोग इनको
वमन कर्म कमेन हीयोग १६ दोहा वात रक्त योमगं
दरी जीर्ण ज्वर वलवान अरुच वयसूची मे हगा दम अग
गंद्र हीयोग दमान १७ उदर गुल्म शर्द विद्रध क
षरोग प्रकास कर्णनाक मिवेद्र हेग गुदा लिंग ग
ह यास १८ दाहसोथ क्रमपित्त रु जामृ जघा तपु
नसूल दह वेरचन युक्त सायह गदक निर्मल
वाल वृद्धि सन ज्ञा नगद अप्रति रषो व कुस्थूल ।
नव प्रसूता गर्भ रोगी जिसे रक्त कोम्ल ल २० कामि
क्रोध भय शोक युत वाल वृद्धि क श हीण न र:
नार गर्भ क्षि विर्जरी वा न ज्वरी लंघन नाकर २१

नवज्वरीमंदाग्नीमदप्रातुरभययुक्त कलयावरे च
नकोकर्णे इनमेंहाअयुक्त २२ व्उल रेलकीयेजा
गरोपीलकफथोयामद ष्कलष्यासत्तसापुनहि
चकीवायुगद वालरहनरदीरामयेपामजारको
युत्तकेह्याद्दिनसेन मलेकरतासको २३ छप न
वज्वरकफवामरक्तपित्तसिरनयनेरोगपेड वमन
रोगविस्फोटप्रजीर्णकह्यामहागद जोनष्रामः
अतिसारऊपरऊपरप्रसूतानारी अरुचविसूरच
कवंतरनऊलेघनसुखकारी २४ उदरनयनघ
रुचिज्वरमंदाग्नमधुमेह वेहरकर्णरुजयासः
नीरकनकनोदेह २५ छप नवज्वरवेहरअरुच
गलग्रहपसरीपीरा संग्रहणीपुनआधमानविह
धलषवीरा गुल्मवरेचकीकासष्वासप्ररकफग
दजोको संन्नपातलषजाहदेहतातोजलताको
अंसचतुर्थाजरलोजलवातरोगदिहर अर्धज
लेजलपित्तहर त्रिपदजलेजलकफहरे दोहा
रक्तपित्तपुनपित्तगद मूर्छासरमपयदाह विषषा
या पुनत्रिषतनर सीतनीरदेहताहि २७ छपः
लागसिसरवहारप्राधपाजलघटवावे चर्णहीन
हेमंतमाहजलकोरषवावे ग्रीष्मसदेवसंतमाह
जलअर्धघटेजब वर्षाऋतुजलेपाठप्रेमा
जलजावपीयेनव रूपवावलीउरनजलो
पीयजावग्रीष्मवसंतमे सतितनडाग्घजलपी

वेशिशर हिमंत मे २९ अंनरि ष्यजलपीये सुजा
नविचार जीउ, सम जल निर्मल सदैमेमन भावै
सोपीउ ३० इतिश्रीसार स्वती हिज धीजिराम कृ
ते चकित्सासार ग्रंथे कालिंगी प्रभाषायुक्त युक्त विचा
रो नाम प्रथमो ध्या १ दोहा प्रवर सुश्रो क धात
को भाषा कों विचार गुरपद सीर नवाय के हृदे
धार सुसार २ सल्क समान मारणम् पडल मनसि
लगंधक श्राक दूध बुरकीजये सर्ण आदक पत्र
जो लेपन कीजये वार वार कर लेपन गजपुट दी
जीये वारहिपुट मे सल्क धात रज कीजीये ३ त
थादौ स्वर्ण साधनं दोहः रूट छालक चनाकी ले
जे रस निकला सोध स्वर्ण तह वार तिन्न लीजस्व
र्ण बुराय मारणम् कवित सोने पत्र नके तुल ले
ने पारद को घोट घर षल मा हगोलाव ककीजये सो
ने पारे दोनो के समान लीजे गंधक पुन गोला केनी चे
श्रर ऊपर वहिदीजीये गोला धर सब्बोमा वा का
कपरोटी कर तीस बन उपलो की श्राच मो धरीजी
ये याविध चौदहि पुट का रवार गंधक दे रूपाया
पत्ति न्न कषाय मी ठा सीतल पवित्र हरे का स श्वास प्र
मेह प्रदर उन्माद को वमन क्षयी क्षीण ताप्रस्रा
र क्षीण ज्वर रक्त पित्त वित्त हरे विष के वकार
को नेत्र को पह फेरे तीन दोष मारो स्वर्ण बार वु

क

खराब 3

बुधवीर्यवलमुनिके प्रसादको कांचो प्रसतु सौनोद
हको विनाशकरे हरे बुधवीर्य वल सुखके प्रसादको
रूपामारोगम रूपेके पत्र नके समानलीजे पारेको
दोनोको घोटकीजे पीठे समानवर गंधकाहरता
ललीजे दोनोके समानवर दोनोमे डारदोना
पयात्त निबूरस मेलेवार सबोमे डारकपरौटीवार संपट
सबीकोसके जबप्रांचगजपुठमवारधर दो
पतीनप्रांचमेसाचमा नमारोकेसो हानरूप
गुन नूपत्रूपरसैवंतमर ७ गुण: कवित्त सीतल
कषायवाटामीठोदोषनीनहारी चिकनपुनदी
प्रमेहदाहकोहरे नेत्रगद उदगद मेदागद मद
गदक्षांगद अपस्मार पांडगद क्षयकरे शूलसी
लिपा हपतनउवरहरे करेकोंनतन मारयो रूपरस
सदाप्रैगुणकोकरे कांचोप्रसुद्ध पांड गलग्रह ग
दकतोविवंधवीर्य विनाशकलेमरे ८ तांबमार
गायमतवैमेपहरभरताम्रपत्रघोटाय योपेप्राचव
डीकरे ताम्रशुद्धहेजाय छप: पारोगंधरसजं
वीरीघरवावे कंरकवेधीतांबपत्रकरतासो
फिरलपटावे सर्बामेधरपत्रप्रांचगजपुटमे
जारे तीनचारदेप्राचयाहिविध तांबामारे
दोलयंत्रपचायफिर गायदूधमेपहरभर ९
प्रहर तरूपभर तांब्रहोयपुष्टकरे सबरोगहर

3

ग्रस्च

गुराम्र कं॰ अ रात्रम ३ द्वा धपाउ झी हास्वास
कास हरप्रकारावात गुल्मवात गद मूल प्रश
मयूल कुष्ठ प्रदरा रोग गद प्रमल पित्त रक्त पि
त्त कोरह्दिन माहर द सीतल अभाउ करे पांच बा
न बल पुन मारे पान तांबा जावकी भैगुन वे यवर का
चो अष्ठ ड यानतां ब्रविष के समान उ छह्नि मरो
म अधमान रोग आदपद ११ दोहा पीतर कांसी मा
रीये तांबे हया समान साधन नि हत म कीजी ये
गुन जीता हस मान १२ सीसा बंग गराय के छिद्र हे
३ का माहिा आक दुध में डारिये सो धारै मदो ऊता
हा १३ सीसा मारीम सपल मनासिल सीतवां सर
रस मै घर ल कर पांचे दे फिर घोट करे दे पांच वर
तीनवार ३ म पांच दे ३ सी सा मरे यह सीसे की भ
स्म में ह स भद्दा करे छय १४ सीसा सोध मंगा यव
कर्षपरा मै दीजे नौ चे वारे प्राग ता हिज ल रूपी
कीजे मन सिल डारे तनक तनक फिर कछी मार
जव हि है भस्म रूपत वत ले उतारो गंधक सीसे
भस्म सम निं बूंस सो घर मे कर तनक पांच फि
र दे २ ३ ह विधसी सा जाय मर गुराम्र ३३ ल १५
हरे त्रिदोष प्रमेह गुल्म के रोग को ग्रह णी कर्तवि
नाश देत व छ में गको प्र स्त रोग को हरे मरे सी

सातजा यानगुन करे प्रमेह कामलासयी न।
अथ वंग रूपः १६ वंग टूक हर्तो लग्ना वाके दूध छु
•८ टावो स्वकोपीपल देघ छालेपुन तांको लावो करे
छाल जो को व अर्द्ध हांडी मे पावे तापर टूक वंग तो
न हर्ते ल्लरपावे तापर डारे छाल फिर गज पुठ देके
करटी कर याहि विधहो सातपुठ वंगपुन वतीजाय
मर १७ कवित्त वंगपुउ अपरा मे डार नो चौगुन वार
जे आंच लगत जब वेल दूधी कीजीये डार डार हर्दी ह
लाय लोह करछी सो जब लग भस्म व्हे है कर ढापदी
जीए काठ स्वांग सीतल मिलाय चौथा अंश सोरा
सर्वा मे डार जार ऊंट पुठ दीजीये ऊंदपुव्य ईंडुत कीकाफर X
स स्वेत रंग वंग व्है है कर्ते प्र अनंग वल घाय घायरी
जीये १८ गुण।। का उत्पत्ति तक कफ मेद
शर्द हू म रोग का मलो स प्रमेह लयी रोग को हरै।
क्षुधा को करै वल करै औ नेक रोग तनपर सुन प्रमेह
X प्रधिमान रोग नाश करै अथ लोह साधमार्नि दोहा
त्रिफला सोला टका भर आठ गुण जल पाय।
तो को लीजे काथ कर अष्ट चतुर्थ रहाय लोह
पंच पल लीजीए तांको वजवारोय त्रिफला
मे जल सो धोईये ताऊ वु जाय २१ लोह चून •४
को अंस वारवो सिंगरफ दीजे घीउ कर

रसडार पहरदो मर्दकीजे डारसारसौमेकनीको
कपरोटी सुकजाय जवदेह प्राचगजपुटकी मोटी
वार वारई ग्रमिलै कनार समैधरलकर सातवार ३
मस्मा वदेजल नरके दै मार मर ; २२ गुणमह: सो०
वायपित्तकफमेह पाडुश्रमक प्ररनय नगद हरेसुडि
मतलोसहि नसोधेवडुगदकरे २३ श्रमरक-
श्चडल कारुच भ्रकतायगायह धमैमर्दकर चा
रपहि चैो लाईरस मैमर्दफिर चारपहिरैसडारस्नाव
रेघोटीये होइजायजवशुष्क तवैधरछोटीये : मारो
कीजेशुद्ध श्रभ्रककेो वर्लेपाकह घसेती एकदिनत
कफेरटिकीयावनायूले आकपात सोलपेट ताकोकप
रोटीकर याहीविध सबा गजपुठमेफकायले फेरबड़ज
टाकाथताको पुठतीनतीनदीजे मरसोनिश्चद्र
श्रभ्रक समपकायले कोटकोटगुननकोकर्तेअनूप
२ जैतेहतैश्रनकव्याध काहूकोनवायले २५ दोहा
क एकमाग भ्रभ्रकैहा भागासहागा दोय घोटदायग
जपुठधरा श्रमरकभस्मजोहोइ गुणमह : सोरठः
अष्टमेहव्रणरोगहरैकरे वलवीर्यको श्रनूपान
केजोगअभ्रकहरे अनेकगद २६ चाटाकीरेवेरज
मेटाकर्कटीतैल थोरकरे लोचायनहितीअभ्र
भ्रककाथल २० सर्गमाषी: क० तीनभागसुव
र्णमाषीसेंधवलेभाग एकडारकेज भीरीरसले
हपात्रमेरषाय ; लोहपात्रसोहलाय जोलो
पात्रलालहैके मंद पां माषीसोधेयाहीविधि
के ककौडी   वता३

कोहमेयराय [illegible]छमधपलेकोजे गजपुठ्ठआगदी
जे मारीस्वर्णमाषीमधुनिंतसीतलहे सभाया
कफपित्तभ्रमेरऊष्णई रोगहरेकरेकल्याणजानना
केगुणवतायर २८ रूपामाषी: अडल रसत्रंभो
रीश्रेरककोडामेडासिंडी रूपामाषीहोटीयेति
नतीनोसंगी एकदिनापुठदेवऊतीघामसे।
रूपामाषीसोधडारीयकममे २९ कवित्त निंबू
रसपलेकाईंधकोपहरएकहंडीयामेपायहंडी
यापरहंडीधर नीचेवांकेआगवारउपजेल
सीतलडारहंडीयामुषमूंददीजेपांचपच
पहरपहरभर सीतलहंडीयामुषखोलपाछ
हांडीऊपरकी उग्रपारदनिकालशुद्धवे घवर
गंधकरतमाहमंदपांचमगलायछानकप
डासोडारहूधमाहलीजेशुद्धकर ३० मारोवि:
पंडुवे सो० कोरलअरखंदालेकांजीमाहीभगायधर
पार्दवारसनालमातवारमर्दतकरे ३१ खप
रफंद्रडारमर्छतरवीसतपकु नीचेअगज्वा
लपंयराचुन्हेपहिधरो उरविधसोचोयाडार
वहीयुरसदिनएकतक कालोशास्त्रअनु
सारमरैरसतहेतवरासम ३३ वा० कांजीकु
पेठा वेडमेतिलतैलकाथत्रिफलसाडुहतोल
दोलाजंत्रधर निंबूरसपलेके सिंधुघीम
मेरुकायपेरघोटतंदलेजालसाथदेतमा
गनहरू टूकटूकविसकरबुझायछैलीहूं

धमार सोधीये हला हलदो लायं३ कर पहर भर
निंबू के रस मे डहू धमाह पुठ सात दे के ईगर कर
शुद्ध सोध ऊच ला द्युत मस्ता कर ३४ विशाव
डाल की ऐपा कपा लकी मे डोट ऊपरु द स चो सहगा
९ देके गपुठ दीजीये हू धमाह पुठ दीने म्र मव प्राव
दे के ऊपयुन हत नी लाथोथा सोध लीजये स
मो ऐटाय काथ त्रिफला मे सोधयुं जा पहर भरका
जीमे उना लख्रु डु कीजये ॥ फादकी ३ की सपुठदी
नेते ऐपकी मे सोध सोधीये सहागा श्राम पुला
य लीजीये ३५ सोध मनसिल पुठ नानदे के प्रा
डु की सोधी वराही पकपहर कांजी मे डाटा या
सो धकं ऊपर पुठ तीन दे के सुठी की संप तायक
र निंबू रस मे बुजाईये सोध लैसं गसिंगी बुजा
यता पछा छमाह सोध कहारी पहर गायमूत्र मे
पचाय चार पहर गायमूत्र मे नि जाय कनकबीज
कूट हर्व कला कर धाम मे सुकाय ३६ गायहू
त्रिफला को काय रस भंगरा को पकाव कर सलोह पा
त्र मे करीजीये तांमे डार सिलाजीत पुठ दीजे
हूधमाह तीनो रसमाहया हे विध सु डुकीजीये
लीजीये मनसिल हताल रसडार के बिजोरा को
सिलाजित घुटीजीये ॥ आठवन उपरा पाचद
के वैद्य कर विधिसे सी सिलाजीत मार लीजी
ये ३७ ध्यान पज पालछी लवक लाकर तां

की दाल खंकर निकाल दोल्ला यंत्र धरीजीये एकायहिरगा
य हूध मी त्रप चाय कर महिषीमल वी च दोयपहर
खांवदीजीये धोयनातेजलसे फिर पीस नयेच पता
सौ लेपन कर मंद अग्नि चरजसम कीजीये त्रिंवरसम
लेक धाम मे सुकाय धर ॥ जैया लयाही विधि योग राजा
कीजीये ३८ इति श्री सार स्वती हिंद धीजे समक
ते ग्रंथे चकित्सा सरे धातु प धातु रस सोधन मारे
ण नंनाम द्वितीये ध्याय २ ॥ अथ नाडी परीक्षा क
करांगुष्ट मूलका की विचारि विचार सुवदु षगत ना
ड्याका विचार कर देषीये मेंडका ऊलिंमति पित्त
नाडका की से हं मोर कैं पोत क पग तले षीये ३
स नाम डीज ला का वाउ जानो गुर सिवाय यत्ति
त्र लवा बउर गत संनिपात ये षीये उसर एक को
पकी चपल उस ज्वरी न सो हद्दु धा की चपल त्रि
पत की स्थिर यें र षीये १ ॥ अउल जो धांतुजहये
मंदिर की कही मंद गत वउत श्राम की जानो स्थिर
गति सम त चपल मंद गत दोयदोष की जानीये
चले सीत उा हीण श्रम साध साध वषानीये २ ॥ मू
त्र परीक्षा: रूपा नील सवेत जो ३ तुला कायमानो
तेल तुल्य पीत रक्त पित्त ते दोयो चिकन सन तोप
मूत्र कफ की अधिकताते चिकन पुन उस ऊं को
पको मंयो मंड ल जल तुल्य वहुत मूत्र ता प जी
ले ते श्राम ते गली जरंग का जो मत लीयो दोया
नी त दोष नन्ते दोष त दोय नी न लक्ष न विचर

नवहिवानमगवानहानजोदयो ३ दोहा नेलविंद
जवन्हेमेहहसोलागेसाध — भ्रमतेरभजनकरे
तवकुभानकषसाध कवित्त इंद्रवलनयेहीनकी
कंठकफकोपकीनमूषमईहीनचलेनाडीहूटहूकरे
जिन्हाकबोरमईअंतदोहुयाहराइवीर्यवहीनभयाम
लगयोछूटरे छातीकनेमहिमहीनभ्यारकोसंतास
सेकपेदहोयहिकाहूंटारीनाकिंऊहंटरे सीमानेनी
दनासभयोयमपारजात नजरपेरूप्रासभजरामनामु
छूटरे इतिअसाधलछण ४ दोहा छुधावीर्य्यवलैवे प्रगु
सहमसबनिंद्राभरुवेन। त्रियाहीनचेतनचैतन
चिन्हसाधलषदैन वातपित्तकफनिदान ६ सवैयः
कटतिक्तकषायसीतलरूषाबायकरेनिशनिद्रादा
री कामकरेव्यायामसदाभयचिंतालंघनवेगविधा
री : वीर्य्यछयरुचछयतेपुनवदुतकरेजलमेतन
तारी अन्नपचेपधरातकेसमेवर्षाजेकोपसमी त
कोकारी ७ इतिवात। क॰ तीछरणउसमलकटल
वणवदाहीसंगतकेषायक्रोधउपवासघामपेपि ल
रे अन्नपचतअधरातमध्यासमेग्रीष्मशरदमध्य न
पित्तकेप्रभवतरे सीतलमधुनवीनजलअन्नद
धिवायसपिततिलगुडकूररे दिनैरेनमुखोस्वाद
दिनकोसेनकीयेवायवंसेनअ[illegible]कफकोकपव
तेरे इतिपित्तकफ ८ अथवातपित्तकफअडल
वितग्रहजिव्हाभ्यानमुषसूकही देहकंपरोम

चनै यननिंद्राग३ रसकषायकासे सानरात्रिवयनम्
पसाकहे अंगअंगमेपीर चिन्हमातोउहे ९ भ्रमम्हको
दाहप्रलापस्वेदवकु पीतकरकमुछपाके त्रिवाछ्र
त्तिकोपकअ सीकलतथारोमांचकंपगुनोसधकारे
श्वासकासर्भ्रदाग्नि कंडुश्वरु चिवता३ सीयामारीमुषम
धुर्तोकफप्रकोपलक्षणकहे मिन्नसम्हविलोकके
संन्नपात द्वंदजकहे १० वायपित्तकफकोउपाय
मांतदायको ●षको उपायवषानीय प्रथमेशामन
सुसोधहू जेजनीये प्रामसहतवकु वषोदोषसो
धनवरा होनिरामयादोष ताह डोषधकेरा पंडत
वेद्यसुजनयांकीवकुरीत: वडे चावीताकीजीयेका
लितेविपरीता ११ क० वांसागलोयसंठीसरडपीप
रवच वककपूबलतासमोथादेवदारजान आस
गंधगोषरुविधारा ३४०ि सोठ परंडसतवरधमा
हआपतीसजान धमीयावरहटी दायपीप्र.अरवं
सासमरासनाडु भागवंधकरीये यांकासुजान सं
ठीवामिलाचून प्रथवार रंडतेलपीजे प्रानकापर
नासलक वातरागहान १२ उनिरास्नादिकाप्प वा॰
पीपरमरचसोंठ सोंचरज्वायरगवाडिंगकुठजीरजा
न यारहिंदसदोय प्राठ सातछ चारवारहितीन
नवपांचभागवते क्रमकरम्रान गुडलेपुराण
भाग प्रसीमिलायकरगोलीखायतपतजलअन्
पान मुषसोषदते कतेकस्योरपतन वातव्या
धिसलकतेछिनमाहिहान १वानरागगोली

ठो
सेरपकमीठतेलसेरहीधतूरारसडारलोहवेसनमेनी
चेआगकोजराय दोसेपंचपांचभरकनकबीजगुंज
विषपीसडारडारयांमेविषतेलमंदआंचसोपचाय
रहेजवतीलआय रसषपजायवांकोनीचेउतारटी
रोयदंडसोघुराय अंगअंगयाँकोकरतछिनमाहभंग ३
हैतेलमलदेहिसंगवातव्याधकोनसाय २४ वाततै
लाति अडल लेकपूरकेचरीदरुतुजअगकरबी मो
तीमूंग अवर उहिवोतेलवी अवरेसमतुकरजउ
नपाइए एककक मिस्काल सकमगाइए २५ वहमन
कु३ सपेसपेद जठामासीजुसन साजजहिंदवीपला हरमल
अवरलवंगपुन सोंठकुलींराअवरजुंदविदसतर
पीपरे आधआधमिस्कालयहेसभलेधरे २६ हूरैकै ती
सूरीमेलरवाइए समतेदुगनीसहतकमाजवना
इये औषधखूटकनायसभेमजूनकार चारमासके
बादकाडकेषायनर २७ वद्धभंगअरधंगवातकोराग
सन चतुर्थकज्वरअपस्मारकोहरे पुन कांतिकरेवं
ध्यनहरेतीयागभेरहियाय एकमिस्कालरवायषाउ
सकलहरैवाइ २८ अथरस कं० संठीविषमचो
चिरायतासमानभागयांचडोरले विषमचेपलेकर
फिरलोहवासनमेडारघोटऔषधसमलोहदेड
संगदिनतीनघोटऔषधर २ तीवकषायसन्त
पानकरेवानसंग नौमलालमेचूनारसदेतकोतर
व्याधहर वातअपादरोगतेरेसत विनाशकेहेजो

वैभजेयवक्तारविस्लहरीहर १९ रेचनविध ऋ३ त
पाचन पैरम्हुलायमप्रथमे होजीये मांसाहं चन्दे
षयुपुषलाकीजीए फिर्देसोधनमाह दोषनि
कसाईये साधपीछेफिलेपकरीदवताईये २० पा
चन मंडल सोंफअलवहूस मुलठीलीजीये।
परसअवासोकाजवानफिटीजीये वादरंजबा
आलेइनकोकाथकर वांडुमिलायपिलायकायके
२१ थवायकोरचन चोपाई पविसावांसाअमल
लसूस काहजवान३लषहूस सेनाय३लेयेचके
वीज सोफवेषवाईयोंलीजे छैमास नेकोदेजे
वससमतोलातोलाआन दसदानेउनावबषान २२
षकतीमूमासेसातप्रमान माथ्यातियानकेग्रनुमा
न दानेतीससपिलाधरे यहितभेउषकाडाक
रै २३ चारकर्षकिवालामेल चाकेयमुलकंदयु
ठेल छैमासेराग्रवेदाम डारकरोरेकरोरे चअम
राम छैमासेगारीहूनसाय वालोकीहंझीछन
वाय यहिभीकाडऊप्रधूर पीवेरचवकमतेह
र २५ अथनकरी सोंफकांसनीकाहयबान।
लेसमरनवेअकेसमान अर्कवेदमुस्कमुलव यह
नकरीदपिवाऊनसाय २६ कवित्त सोंठमर्चपी
पववडिंगतजतेजपातहरडमूलपीपलकामेथा
आवलेसमान दंतीतीनत्रिवी अठवांडछैमागली
जे सहत संगगोलीकीजेपेसमंरकेसमान सीतल
जलअनूपानसंग यकगोलीखायहरेज्वरविषम

कास कुस दाहमेहजान पांडु शोह पहरी विस्
हीयाजेकदुथीर मूत्र कृच्छ्र भ्रम नैन नयनगदकारि
हान २८ दोहा आधमानपुनउदरीमूर्छा भ्रमन
गलगंड अपस्मार दकनासय हु कर्तेमारतगदगाथ
उ २९ इति अपस्मार कफ कर्षेदोयहर्तालके
तांकोशुद्धकरावो चूनाकेजलयायतीनदिनताह
घुटावो घीकुवार सडार तीनदिनमर्दनकरीये
टिकीयाकर सकवाय आंचगजपुटमेधरीये सांगा
सीतलेकाढ़के वायपानसोरती सो सन्कवायअ
रसंधरुजमिट पलोंवायजो २९ इतिवायप्रतिकार
अथपित्त दोहा पलाचेंडपावलेसिताउसीकेश
र घोटछालकरथीजीये पित्तकोकरहर कफ:
होककारनी वारद्रिमरीरनिकसावो ऐतो
लेगुलकंद घोटकेकरछलावो छेमासकहूकेवी
जसोजलसोपीसो यहभीषबकरतामेचाल
संगहीसो षबकलेदायद्रिमभरतामेधायमिल
इये कानकेरोयो पानसोतो पित्तनो दूरदपाइये
३२ सर्वतंतिमकोकर्तव्यत: दोहा माधसेरलेहै
पलीमवरदोसेरजलयाय यांकोकाथयोकी
जीयेअर्ध रहे छनवाय: ३३ पांडुसेरमंडार
को कीजे ताहकमाम हरेपितसबकवजा
पुनसर्वतिमजुनाम ३४ खिर्फाकहूबीजका
सीरापेसेचार सर्वतिमजुदाम दोयपीये

कीयेपित्तकोटार २५ चौ० लेवदामभी छोघुवनफ
सा दसदसद्रिमयहदोनात्या मगायतुमद्दीरेके ष
त्या मगजतुषंजुपाय २५ पांचपांचद्रिमयहतीन म
२४ तुषकासनीद्रिमेतीन जा० ॥ पा छी ०प्रवरकती ए
एक एकोंद्रमेलेवीरा हुग्गीषांड गुलाबमगाय कस्क
न मामउंबधऔषधविचपाय यहमाजूंविनफ
सायान करैकासपित्तदोहान दोहा २६ एकमि
स्काल मजूनयहिनि तप्रतउठवाय तनकंग
मगुलाबकर यहिअनूपानकराय २८ ० प्रथरस
एकभागपारदकोदायभागगंधकपुन चारलेकपू
र्णा छलीरा० आठभागलेडार सोलाभागषमले
जेमर्चेवतीसभाग मिश्री भाग चौसठ मिलाय
चूर्णकोधार चंद्ररसपायरतीनभरगोलीक ती
र अपचावाकर गोलीगुलावरडार डर सीतल म
एक जलअनूपानपाइदाद्रिगोली कावतहीके
रपित्तमेह त्रिषाकासंघार २९ ० प्रथमसाधन ।
मह०पादपंचमुंजमस्से फूलगुलाबबनफसा
सही ०प्रवर्कसनी ३ नमेकही यहसमरंकर
यदोयजान दानेवीसपिस्ता० आन ४० घालेउ
पारादोऐसोंत डारकाथकर मच्यासा व पा ।
येकाथमिश्रीकोडाल पित्तकोपहरैतत्काल ।
अथरेचन कवित्त पांचटाकलीजीपसरनी
मकीप्राछी देष हर्र दसटांक दानेतीसलेपि
स्तायान ३ंबली दसटांकटांकदुयनीलो

करकासनीभिगोय दिनरात अतलीजे छान पित्तको
पहरै वैरेचनक्षारोसागर्भे कर वीसटंक लैकासीरषि
लडारआनकीजेतांकोपान इसवगोलकासनीअर
गुलावबीहदानासर्वमिलायनीलोफरतपरीदषा
न ४१ नीलोफरकीसर्वत चारटंकनीलोफरल्याय।
तीनपाउजलमेंऔटाउ अर्कउरहेजललेछानाय षांडटं
कौ चालीसमंगाय तांकोनरमकिमामकराय घोट
डंडसोसीसेपाय देहसर्वतनीलोफरमित हरसिर
पीरकामज्वरमित ४२ आलूसाहपुनआलूबुषार: विष
सपिस्तादाने तीसनिर्धार: आलेयदेष्ठ छादसदा
ने इंवली गूमदसफिर आने ४३ तीसदिमनरंगवीन
ल्याय षाडश्वेतदसदिमेपाय: सकरा नरावोभिज
वाय प्रातकाललीजोछ्नवाय ४४ हैमाक्षनिसोतमं
गय छूटछालतामे धु रवाय तीमगर्भकरदेपिलाय
पित्तरोगसगरोमिटजाय ४५ इतिनिकेफवाक् सोठ
अभयात्रिवीसनीय प्रबलतात अरदावपुन गोलीदे
वनायपैसापैसाभरवजन ४६ रात्रप्रातदोऊषायतार
तोजलअनूपानकर हरेपित्तकफवाय पंचांगनागु त्रिधी
टकासही ४७ पलभरकूटनिसोत लेषंडयोनाहसमा
न कर्षदकलेपीवरे वहनरात्रवषान ४८ कर्षदव
भरचाटियेचूर्णमधकेसंग शूलपित्तकफगाडवि
टकेरप्रकारामंग ४९ अथकफ दोहा काकडसिंगि
पीपरेकरफलपुहकरमूल सहतसंगचाटकेतें

कफाज्वरहोयनिर्मूल ५० चो० ऊंदरभवरमलकील्या पां
चपां चदिनमें तुल्वाय सनादारगायुनचंडदिनमें सनादि
२८ मेंकर्पप्रग्रमज्वरनमें ५१ जातीफलजलवत्रील्याय प
लामाथ्या लोगमिलाय चारचारदिनमें समलीजे फूलगुला
शिल संग्रह बदिमें छै बीजो ५२ पोस्तुरंजबिरं जमुस्लकपुन दसद
सादिनें यहदोनोफुन पांचदिनमें प्रावलेल्याय पांचदि
चतु मेंछडुलेमिलाय ५३ ऊवधस्याजेकूटछ्याय तीनदि
मेंनितप्रति उठपाय सर्ककवादीयाकरसप्रनुपान होय
८ रोगककविरामें हान ५४ इतिकफचूर्ण क० जातीफल
पलालवंगनागकेसरमलतेजपातदाचीनी चंदूकपूरवान
स्मर विल्लवंसलोचन तगर प्रगर मावलेलेपीसपीपर त
जो लीसाचीतामचायान सुंठीकलीसमभागसम ऊवध
३ लेसमकेस्मान ... रोगकरकूटछाण मधसंगचाटकफ
वातकासस्वासग्रहणीपीनसप्रपस्मार यानिफलादियह
कासोहैवषान ५५ प्राधसेरवंडलाहिलीजीपकमा
नकरवकैकमसमतांमेपलीऊपीधमिलाय लौगजल
वत्रीमस्तकील्ले तीनटांक पांचटांक प्रगर चरि पोस्तत्
रंजल्याय जातीफलसोंठपीपरे लैपकएक टांकके
सर लायचीकडदोयदोयटांकपाय ऊदकोजवारम
यरतमजल्पनपान षायरंकदोयकफामंदक्षुधा
कीनसाय ५६ चो पारदगुंडुरांकदोल्याय टंकदोप
गंधकमिलवाय दोनोंकीकाजलीकरवाय प्राठरा
कयिरकोडपाय ५७ मासेचारसुहागालीजे गाय
दूधसममर्दनकीजे नांकीलेरिकीयाबनवाय सो

लारं कसेस्व पिलाय ५७ होय सरावे मेलमगाय तिन
को चनालेपकराय संषटू कप्रटिकीया प्रान सर्वा
मीनरधैरेसुजान सर्बाकेकपरोटीकरा सेरपक
उपलोमैधरो स्वांगसीलनीको निवलाय । टिकीया
सेवसमेतपिलाय ५८ गायहू धमेमर्दनकरो फेरव
हीविधटिकीयाधरो सर्बाको कीजेकपरोटी । पांच
हगाजपुठकीमाटी ५९ स्वांगसीतहायलेनिवसाय
चूरणकरउबीमेपाय ६० लोकनाथरसरतीदाय । के
अनूपानसो षावे कोय सकल अनूपाननै संग यार
हिमि चैकरै प्रसंग रतसोवालरोगकोहरै माषन
संगपित्तहाकरै पीपरसंगमहतचटवाय कफ
ज्वरविषमज्वरहिनसवाय ६२ कासस्वाससंग्रहणिअ
तिसार रुमतामंद अग्नि सुनिवार । अरुचछयीकपरो
गयेहोय सहमतसंगचारेकारषेउ ६३ दोहा वार
पथ्यनिथ चंद्रशुभ लोकनाथरसषाय रतभोजन
केग्रामत्रैतिपरमसलाकराय ६४ रसतेउपजेनायजो
ऊषदाउमीदाव बंसलोचनषांडसोसालगुडूचीचा
व ६५ छप्य: माषमलर प्रचार सराकोजीउ मेउ पु पेठ
न विल्लकरे ल्ला भटाकवरी हिंङ्गुन मीनप्रामलीते वतांउ
लमकर राईमाहिषावे करेनामैथनबेरदिवस्नीहि
सैनकरावे षायनाकांसीपात्रमेयहितंजमरसमदा
कर अनूपानकेयोगसोलोकनाथरसभरोगहर
इतिलोकनाथरस । अथ सोधआदसुजात ६६ सोप

अनीसस्वारसंजबोवाक्रहो अस्याबातटंकदोयदोय
कहो दानेपंचसंजीरमलसमकायकर चालपी
उगुलकंदरोगसमनासकर ६७ अथरेचन चोपई
दानेसातउनाबमगाय नोससपिस्ताताभे दानेपंच
यदेसंजीर दायलेदानेरसवीर नोमासेजाबपेज
जडेजे नोमासेविसफायजदोजे मासमाठमनेस
लाय तोलेवकसनायमिलाय ६९ वेषवादीया
स्वरअजमोदा वेषकासनीलावेषोदा छेछेमासेय
हसमयान तोलायकसोफप्रमान ७० इनकोली
जेकायवानाय चारदामकिवोलोपाय गुल्केदपु
नमेलोचोदहिरंक लेवेदमरकटंकनिसंक ७१॥
अड्केकषलेत्रिवीमगाय तिसीबायपरधूपिलाय।
कफकोरोगयोदेननसाय स्येवरेचनसवेतलाह।
७२ दोहा नफरीदकहोजोबातपरवेदमुसलविचयान
स धर्मलंगापीजीये कफनफरीदबखान ७३ अडल
पीपरसोंठनिसोतअमालीजीये सोचरलरामिलाय
योचूरणकीजीये नातेयलसोपीयेपांचसमसूलह
र अशीअफारा आमवातकफहरेकेर इतियंचसमर।
इतिश्रीधीजरामकृतेग्रंथे चिकित्सासारवयानाडी
परिक्षा मत्रपरीक्षा साध्यअसाध्य लक्षणदोषहेतिा
लक्षण चिकित्सासार्थकथन नामत्रतीयअध्याय ३
अथ जरनिदान अथमलं चनकीजयेपाचनरेजर
वीच अंतजोरे चनकीजीयेहर्केराजुरनीच १
धनीयासंठीरेवरार दायकाटाईलाय पाचनक

रीयेवायपहसमज्वरदेतनसाय २चौपई मायानेत्रवा।
लालाय सोंठधमाहकटूमिलाय चूर्णवायकर्षभरसा
न सीतलजलसोसमज्वरघान ३ अथमजून एक
सेर३नावमंगाय डेढपाउकारुंनीपाय सौंफमपिलाक
झोवधान यांछोनीलोफरयहयान दोयदोयपैसा
भरआन आधपाउबनफसाठान कूटछारासम चूर्ण
करो वांडसेरएकभरलीजे सेरअढाईसहतमिलीजे।
मधअरवांडकमामवनावो कूटछाणऊषधरलवावो।
मजूनसफावेयांकोनाम कामत्रियज्वरहरअभराम
कफपित्तम्रयकारीयहकही ऊषधयहतिबनसालसोखलखपणे पाछक
ही इतिमजूनएक: १ध: दाखपांचउनावसपिस्तायं
इ्लीजे सातमुनककादावटांकनीलोफरलीजे लाल
फूलबनफसाजाछयोपरइकर्षभर अधसेरजलमेलप
चायजलआधपाउकर दोतोलमेलीसबैतवनफसा
गुलकंदखर खूबकलाइयदिसेयुतपीयेवायपमता
वहर सबैतवनफसाकीविधि एकाइकभरदेषवनैंसा फ
लीजीये तीनपाउजलमाहतांहै औटीजीये अर्द्धमा
गजलरहे तारछणवाईय षंडदसटांकमरताकमाम
वनाईव छोटइंडसोसीसेंघरराषीये सबैतनमवन
फसातांकोभाषीये हीयामेसूजनहोय ताहदिनमेहरे
हरेस्वासज्वरकफसमीजरहाकरे ४ अथबसाव च
कित्सा कंठउठमलसाथधिरसवद्रुजिव्हारपघर जा
२७ नवायज्वरहोयविषमनेरुजनीदहत ११दोहा सो

१२ सोमचे पुरपीपो अभ्याकडूमिला सोचरलराच्चर
यताचूसोहरैज्वरवाय १३ पाचरावलैकाहजुवान
फूलेवनफरातोहसमान तीनपाउजलमैउंराउ अर्द्ध
भागजलरहेछुणाय १४ अभीरांकषांउमिलवाय मी
नपाउजलमैउंटाय तांकोनमैकममवनाय यहस
हैवत्तसीस्प्रद्वउन्त सर्वपीजेप्रातःकाल बाहुरोगन
वायज्वरजाय यहरुमसर्वेतहोयेवताय इतिक
हजुवानसं० दो० वमनभ्रमरुकोखेदतनत्रिषादाह
प्रलाप अतिसारकरतावढ्यानपित्तकोताप चे
ढुसैहउसीषसयित्तपापडायान मिश्रीसर्वतसंगहीसा
यपित्तकीहान कमलपुष्पचूर्णकोरामिश्रीसर्वेत
संग टंकएकभरदीजीयकरेपित्तज्वरभंग चौपई
सालहिमासमिश्रीलाय मासआठवंसलोचनपा
य मासचारजोपीपरहोइ वडीलायचीमासेदोय
तज्जमासायकभरपाय औषधसकलकूटछुणवाय
टंकएकमधुघृतसोखाय खासकासमंदाग्निजाय
१९ अरुचदाघीयुनवसरीपीरः उर्द्धरक्तपित्तहरवी
रा करएकजलनज्वरज्वरजाय चूर्णसितोपुता
दवताइ इतिसितोपलचूर्णम गीलोफलकैसर्वे
कूंआधपाउलेआउ तुमब्यारेटंकभरसेहीरानि
कसाउ नोलेटायसिर्कजवीपूबकलादटेक सा
मकोमलधीयेहरेपित्तज्वरप्रेक २२ विधसर्व
जवी चौ० टंकएकरातमिश्रीलाय तांकोलेकम

मरदनाय इकतीसफिरसिकाथाउ दोयतीनफिरजो
शाख्वाउ २३ घोरडेउसोसीसरष यरसिकजवी
कीविधभाष झामदोयनितप्रतउठषाय पित्तज्व
रकफपित्तनसाय अथकफज्वर दोहा छेदअरुच
निद्रकुत शर्दस्वासअरुकास मुषमेकेनअरुलिप्तता
कफज्वरकहीयेतास २४ कुपः कषयकतालीसका
षद्रमचालीजे तीनकर्षलेसोंठचार पुनापीपर
दीजे वंसलोचनाचारकर्ष लेडारअकेला अर्क
अडुलेकर्षदोचीनीअरपलो मिश्रीडुगुनीयाया
कचूरणहरेकासज्वर अतीसारकफस्वासवमपांडु
छीहाहरधुआंवार ३ तितालीसादिचूरण २६ दोहा
संधापीपरआवरा चीताहर्डेमिलाय चूरणकफज्व
रकोहरे दीप्तपाचनआह २७ चौ० अर्कसाहन
नरकोलाय अर्ककासनीघ्रानमिलाय अर्कवादी
यांकोफिरध्रान चारचारतोलेपरमान २८
दोतालेगुलकंदमिलाय पीवतऔषधकफज्वरा
जाय अथसन्नपात अडल्ल दोरीजिव्हाकुरल्ल
नेत्रत्रिषाकुन हाडोमेक्षेपीर विक्रतचेष्टास्पुन
श्वेदसीतअरदाह नीदसिरकोधुने सन्नपातको
अल्पकहलक्षणजिने ३० कवित्त बांसागल्ला
वसअंबलतासअमपावप्रमोथा इंद्रजबलीजी
ये सोंठकटूचंद्रुरक्रुपाठासमकथ कीजे तांयेच

मपरकोधर्ककरपीजीये संन्निपातकासस्वासत्रिदोष
२परलप्रमत्तमत्रा कीविवंधहूकीजीये दीपनास्र
रपाचनहर्तादोषतंद्रावमकोरसुनवतेजोपैप्रातउ
ठपीजीय ॥२५॥ लपुष्करमूलथमाहत्तसोठभेवयला १३ रा
कडूकाचूर्णलीयगुपाठमिलायतः भाडिंगीपरकाक
डसिंगीलीजीये पीजेकाढकायत्रिदोषीकीजीये
दोहा स्वासकासतंद्रा ॥ षातपाहिपीडहीयरोग ह
रहेकाथअनेकगद कहोसत्तमयोग पीपरसोठ
जवायनीअवकेलाजीवाय बहधूरामर्दनकरेसं
न्निपातनारहाय ८ तुलायछंद दोहदेसोठीपव
रगासनामगवो मूलवजोरलेपकरकोगमलकीसा
जनसांची इतिकर्णमूललेप दो॰ अवकाट ॥ पीप
रकेसरअवरलवंग ॥ अदरकरसेसारीहिंवकभर
गालीकरानिसं स्वासकासतंद्रा ॥ परुचसंन्यपात
मिटजाय नितप्रतिगोलीवायजोकफगंददेननसा
य इतिसंन्निपातगोली त्रिकुटाकलेजीजायफल
पुष्करमूलमणाय ककडसिंगीलीजोअथमेल व
पाय ३६ चूर्णमधसोचाटीये संन्निपातमिटया
य कंठरोगघुर्घुरवचन हिचकीस्वासनसाय
सन्मुलठीमिर्चवचसेधायीपरवाय ॥ कनक पे
केनीरसोयांकीनासदवाय ३८ अपस्मारउन्मा
दपुनसंन्निपातगदनाय नासदीजेयूप्रचेत
नरचेतननूतकरा ३९ उपायप्रलेड कव्वा उ
सिंगीसोठगलोयजोलीजे अथविषमज्वर

उपाय सबधातसोधरणकेरैम्यग्नवर्णवलरान ग्रंथा
तरज्वर यंकेर हे सेऊ विषमज्वरजान ४० साधनसमन
ज्वरप्रानमेकरेजोपडनको कैलोदोषवधेऊ हाकैवि
षमज्वर होय ४१ उपाय गुडल ककडसिंडीमोलग
लायजोलीजीये मोथा रसौत लायकरखाडा कीजी
ये पीपर चूर्नमिलायसहतसा दीजीये विषमज्वरो
कोनासनिविधकीयीय ४२ सा० सेंठीदंतीपुष्करमे
ललयाचिरायत: पीपरसूपर प्रथ्याकडूक चूलैया ता
दोयकराइप्रानसें धोयजवेटालके पित्तपापडजा
न ४३ जमोदरवरमगायेले ४४ जोषधसर्वसमान
चूर्णकरीयायाहको बडसोगयर नामविषमज्वर
कोहरकेरै ४५ सीतज्वरकाय कोसामोलगलायकर
उलीजीये लेइइजोपचाउपुनदीजीये ज्वरभंग
राअजवायनपुनप्रानीये गौजेकरके माथसीतज्व
रहानीये ४६ दोहा कनीवमसोहडे उद्रमसवर
लालमगाय घृतयुतधूपदवीजीयेसत्रुनाशमिट
जाय ४७ अथरस रूप: एकभाग लेपारेगंधकडु
ग्रीलीजे तीनभागविषप्रानचौथुनचाकरलीजे।
अजैपाललेपांचभागसम रूटकार निंबूरसमेघोटक
रगोलीवडिंगभर प्राइकरसमनपानमेगुटीएकम
छनकेरै नूतनज्वर असरविषमज्वरयेहजो कुशमन
समज्वरहरे ४८ रूपे पारेगंधकेउग्रवैसमजैपा
यौ लेकोटकर डारवलेपुरुतीनदंतीसारेफिर ग्राइ
करमरजनूपान गुटीरज्ञाउेयावे महाघोरनेवमा

पपहर्वैमासाहाणवे पथ्यभातदुधसर्करासीतल
जलरसऊपवर सीतज्वरहरनामरस हर्तेअक
इहरत्रजज्वर ५० छपे वाईगंधिकम्भेवसहागा।
कलभमधर मिर्चसर्वसमानदबेइहरस्लेवर्ले
कर मच्छीपित्तेसंगतीनदिनधरलवरावो अई
कूरसअनूपानगुटीरतीहेवावो शीतलजलउप्र
पीयकापारे जेपित्तज्वरजायनस मठभातदेप
थ्यकर सन्निसेघरउमनामरस ५१ चौ॰ धनाग
दूचीकाडाकरै इनसोलोकनाथज्वरहरै पीपरस
हतसंगचरवाय कफज्वरविषमज्वरेनसवाय।
अपरेचन ५२ अडल अभयापीपरलेकटुमोथासु
त अोर किर्वालामलकरायस कथपुन काथपी
वाय यसन्निपातजायअरविषमैज्वुर मलज्वरउमलस्र
लसोछिनमेजायटर ५३ इतिवातकफमलज्वर
संन्निपातरेचन अडल मोथापडपटकटुराव
अभयासवर अंवलनामकोमेलपीवयहयोयकर
मर्कोत्रिटज्वरपित्तस्वासाडीजीव विषमज्वरेपर
अभयामादकदीजीव ५४ युनानीरेचनमाहा।
लेसनोयपंचमिसकाल दानेवीसउनाबसुडल
विस्फायजलेकारसुबान लुबमकारनीवरसा
पा वसान ५५ सोकपित्तपौंडाज्ञाने आलवुखारेलद
सदाने घहसभडोषधकाथवनाय वैदामिस्का
लसीर्षिवाक्रिवाय ५६ अंवलनासपुनरहमिस्का
ल हारगकैरसभनांमेखाल दोमासेगरीछुनस्या

य यहमीतिसउपरधुरवाय रोगनवैदामटंकभरडा
ल पीवेरक्तावायज्वरटाल ५७ इतिरक्तपित्तज्वर ३ वा
लीसेमिस्कालयोतीस लीऊनाब्युदानेवीस पाप
विनयकसादोमिस्काल रानरायजसभीतर डाल।
प्रातकालसीजेजलछरा सीर्षिसदमैछेपान।
तीनदामाकेवालापाय देऊघोलफिर्लैछनवाय।
५७ टंकएकरोगनवैदाम डालकेरारेचनेप्रभराम
प्रातकलेरेचनपिलवाय पित्तज्वरकीपीडामजा
य ५८ अथकफज्वर लेसनीपंचमिस्काल तैमि
स्कालजरहवकाजुडाल बिस्फायजलेतुख्मकासनी सावगीर
धरिसावहांसोफजुगनी तुख्मकाफेसऊयांमेपाय
सभटैहेमिस्कालमगाय दानेतीसहपिलापाय
कीयेकाथहमलेछुणवाय ६० लेतुरंजबीमकास्या
ंब्यलतास्कुनयांमेपाय यहसभलेदसदहमिस्का
ल छाणकेरयाहितीनोघाल ६१ दोमासेगारीकूनल्या
रोगनबेदमटंकभरपाय मोसमगमेयहकाथपिलाय मे
कफज्वरपीडाछिनजाय ६२ दोहा। यमहिदिनभये
नायपुनरेचनसनाकपिलाय कवजलवीयनवकुता।
वैरिनवादस्तुलाय ६३ कहीचकित्सातापकीयारि
कहूंवषान वऊनधरेप्राषघनहीगंघमभेयमान
६४ वकुप्रसेसुरेहमेकारपदसीतलयार सीतन
मयांकेर हैतिसेकेरज्वरनास ६५ अविषसाधारं०
शघ्रजतीसारउपाय दो० वारवारकैवेगजो सोभाषी
अतीसार नाहचकित्साकीजीये लच्छणदोष।

निहार ६६ अडल आमदेष अतीसार जो मेचनहीजीय
दारुहीपनपष्वचनदेहरलीजीये इं सुवकुपरपकसा
धतववेयावर देषअमषतीसारन लोमेतवंदक्र
दोहा त्रिफलाविडंगसुंपिरे तांकोक्वाथवनाय हर्नेसवा
म अतीसारकोसवनहीयावलाय मोला भरगुलकंदय
हरअर्कवारीयं प्रेमसंग यहिरे वनअतनकसोकेरे हम
गहमंग ७० चौपाई मोथापाधतीयासांठ भगाय वालो
विल्लगिरीरलवाय पीवतक्काथकोदेवतटाल आम
वायअतीसारकोटाल इतिकनयंचक्र अथयक्का
तिसार दो० मोथासांठीइंद्रजवधावेफूललेपाय वि
ल्लगिरीअरुमोचरसमलोद्र चूर्णकर्वाय ७२ कारूम
हयुडगोलकेतांसोचूर्णबाय अतीसार बहुदिनोकार
वलहीमिरजाय ७३ इतिगंगाधंचूर्ण ऊर्ध्वः रेशना
थतमीअंनताहिसीरानिकसावे ईसवगोल्ल लवा
सकाढ ताहिमिलावा वारलुणकोत्र केलेभीतरकी
जे पुनरागनवेदामहिमेदोतांमेदीजे वालुंगको
धूके यहियीजे उठप्रातको सोषधतिवासोलहीम
रोडघातको दोहा सीराषुर्फेवअवर सर्वेतसंद
लसंग पीवतर उगतीसारको करेसकिनमैमे
ग ७५ अथरक्तअतीसारको अ० रसवल्कुदाप
तोर सेंठकोलीजीये धायफूलकोडार सचूर्णकी
जाये चावलधोवनसहतसंगजोपीजीये पित्तर
क्तअतीसार ताहिहरदीजीये ७२ विल्वगुथवली
वकीसीरालेनिकस मधअरमिश्रीडारपीय

नसैशास्त्र अतीसार ७७ दोहा ईंगवी पर विषयरूम
चेतरागा साय यहरूभसमचूर्णकोरतीयक
योवाय ७८ सुनऊडेकोकर्षभर यहकीजैमनुषान
सहनसंगयो चलीये अतीसारकोहान ७९ अथानंद
भैरवरस चूर्णमे लम्हजकरभंग स्लोकनाथताले
जलसंग नीदनासग्रहणीअतीसार मंदअग्नकोरा
ते गसंघार ८० ३ लिप्तसार अणसंग्रहणी कीयोकूप
थानर जेसनेहभयो प्रतीसार श्रामसहलविशागि
रसोग्रहणीनिर्धार मधुसोचटेराज चूर्णजाती
फलादको दीपनपाचकसोहरेग्रहणीविषादको
८२ धनीयापांचनवायग्रहणीरूपकैरे चूर्णदेहरसां
जनादपित्तग्रहणीहरै ८३ तेजपातबलात्रुतजपल
भर पिऊटातीनपलासाऊभरदाडमकोरायपल वां भरि
उदसपलसंग चूर्णहरैग्रहणीप्रबल ८४ कथित्र-
पीपरमर्चसोंठपलालसुदाचीनीनजउौलागरमा
तपत्रीमार्शर पकरकदिमयसलायचीवडीपांचा-
दिमे घेलाभरलौंगसहरूकेशरणोबुर सम्भु
ग्रसरूनचीनीषांडुवीसदिमे ककैकमामदाहूसगरे
रलाईए यवारसमिस्रोतलएकविस्वासनितपाचाय
वारुकोच्यकेसनूपानकै पिलाईए ८५ सो मंदा-
ग्नधायग्रहणीमवसज्वरमवरमबेहोसबान करेउ
कफकीहानयहमजह नाउममवही इति ऽयारेच
न दोहा अथभामादककेवकरसंग्रहणीकरभंग कै

कैमुलकंदतुरंवी॰श्वकैवादीयासंग ॰अपरस्त छुद्यः
ईगमेपीपरस्त्हागाविष्ठाधकमर कनकवीजरस
सस्तभंगरसमैघलेकर गालीचनकप्रमानघर
लककैरलीजे विजीयारसअन्नपानसुरीभक्षनयह
कीजे मंदभ्रमग्रहणीहरैअतिसार॰उनतीव्रज्वर को
नकसंग्रीषायस मंनछाछदोधपथ्याकर श्निगोली
श्रिग्रहरणि छ्यः मचेभागलेयकभागनुधसंछीजे
अै वीताभागस्तीन चारसरोहमिलीजे समगु
उगालीकरा कर्षभर भक्षणकीजे सेथावीजरंहाल
लेयकांजीसींकीजे रंहाल क्वाथसोशचकारसेवधू
परेदेलेको यहऔषधमैनितप्रेमलेहीमसरूपमेछेमी
ग्रातको ९४ कवित्त दोपसेर मलावगंगायफूकरू
ककीजेआठसेरजलमैउटायपांचदीजेर चैष्या
ईमसरहलीजीयेनिकारतिनेहघउार चैागनेपचा
यछनोकीजीये डारघृतचौथेजंसडारखंडएकसे
र डारमारुताप्यसंगअवलेहकरलीजीये भ्रमरक
चमूड३९दिष्ट गजवलमधूरस्तरकरेकामरूपवा
य॰पर्षरोगकीजीये ९५ इतिभ्रमरतवर्मअवलेह
चैापाई तीनटीकगुगलकोल्या तातेजलमेघोल
छणाय अरीटाकाफिरसहितमंगाय गुग्गुलतं
केवीचरलाय लीजेसहितकमामवनाय एतैऔष
धक्रूटरलाय हईकाबलीजभ्यालीजे हाथआव
लेछनमेदीजे ९७ यहसमदसरंकमगाय तोने
उालमजरनवनाय अऔफलसुकमरंकदोयपाय

रोगमेद्वीहे भगन्दराय इति अश्वीफल दो जाठपोनीलो
कमलेहलदी लायबमजीठ ॥ अजादुग्धसे पिवतहीर
क्तपरोन ते दीठ ९९ गजकेसरनवनीत सौनीतिल
अरअरनवनीत ॥ रत्नमये दीहा नीयेस्व नकरजह
रीतन १०० क० पीपमर्चजीराव क इकभागलीजे
पीपकोमल तियेथा भागदायहोय वावतीन चीता
चार सोंठ अहडपांच आठभाग मिलवा मंगा इती
हमा हयोर सूला भाग सूर्णी तिलायस भचूर्ण कार
दुग्धेनागुड जारगोली कर्षभर षायको उषाटीकाकुर
न्तूपान काहो कहयो कांकायनमुनिगुटि का ॥ पशीसंग्रहणी
पंडुरोगदेत षोर १०२ इतिकांकायनगुटिका: पीपा
तु चूर्णगलाकरता पीत गंधकमूगदंग्ध विषय दत सोध
नअभ्यामोदकदीजे रोगनवेरोहरा करीजे १०२
इतिमोदको गंधकछरटंकटंकदुयभर सोंठली जै पी
परमर्च चीतार्टकरटंक पानधर लवण ओषार आधि तीन
आधिटंक निंहरटंकभरषाय क्षुधाकर हुआनी
गुटका संपोपककपीपरकोमूलदोय करणा चाम च
कआठ चीता टंक सोरहिभर सोंठ वतीस टांकचौ
सठहरीतकी चूर्णवडवानलषायमंदहापाकर
इतिवडवानल दोहा अभ्यकमूल वंग सेरन्नकौ
कायमवार पीयाँयाम्हे घोलके रोगजीरोटा
र १०५ सोरठा उदरजआरमयानके टंकदोयभ
रषाय तातोजल भरपान कोर हेरे ॥ पजीरो वमत्वक:

का २

१९ कवित ग्रावरे मंगाय बा नह धमे भिगाय दूध
शांवमे सकाय टंकाय कशान लीजीय नैसौ जलटं
माहि पैसेर हे त्रिफंग्ना नीचे नार फेर चार छाण ली
जीये मलकी लवंग न गरमाया नीन नीन टंक छैगु
गाब फूल यांहीमे मिलीजीये से रुन टंक सीवा है
८ सरं कषाउ लीजे वा हीले जे मेकमाम यांको कर ली
३ जीये जायफल जलवत्री घाउ किकोय लाय चीद
दाल चीनी सेनाबसीटंकदाय पने ओषधमि लीजीये मासेद
यमरगमदले वा चवटं क केसर को ष लेके रुला व मा
हगेषधमधदीजीये नाम नोसदारू यहरुने प्र
स्मार मुषदुर्गंध दुधामंद कर दीजीये हीया सा।
गवातबंध कफरोग नष्ट सम लेटंक लीपात मास
ण जब कीजीये २०१३ त्रिनोमसदारू सो० तोला भरगु
लंदषायउ वेवादीयांसंग म भ्याभोदकषा य केकर
ऊ भ्रजीरगोभेग १२ सौल लवण हरीतकी पीपर नं
मे पाय चूर्णपीजल नत्रमेरो गडजीर्णजाय॥
११ क० एक भाग लीजे गंधक आंवलासार को रोपदे
यभाग जानीक लंबीसल हाग यान तीन भाग पीवर
लेछै भाग सोंठ कटु मेलवला लवंग पंच भाग सम
कूटछाण निंबू रसेष लेकर रत्ती जेगोली धरवा
कगोली षाय सुधामंद रोगकरै हान कर्के लवंगान
षाय सन्तपान दीजे नांम यांको कुसा है महोदध व
टीसजान ३ त्रिवटी छपः पारे विषगंधकलव
गयहटंकटंकाभर ३ यसटंकयातीक नमम चैत्य
प्राठटंकभर २ वलीरसमे एवादि कसमम मर्दे

उईउदेकीवहि फिरगोल्लीकीजौ

नकीजे गोल्लीयकमलतराकैरेरोगमजीरोजायर २
मलवाराधुरकाकदीसेवतसोतमरोगहर इतिसम्बाय
गुराधुरका १२६ हींगइंद्रजवभंगरा अम्पालीजीये
वचवमोहलेहार चेचूर्णकीजीये चूर्णपीजैमेमउस्न
केनीरसा कुटेसजीरणपीडविसूचीमलसा १२३ सा.
तेलतिलोकाखाम जातीफलसंयोगसा मर्दनकरपा
दहनेहोयवसूचीहानसा १२० लवंगमलकीराडवे
वावचीनीमवर दोयटंकसगाय अगर चोटंकभर ॥ दो
वारहिटंकमिलाबांधगोल्लीकरै टंकदोयनितवायवि
सूचीवमहरै इतिविसूची १२८ रो. मलमूत्ररोवनाहोर
वमसरेनावउसजान उदपीडफारावरसोविलंब २७
कायान १२५ सौफअजोरपूदनाल्पतोलानोलाभर
तुलवाय लवुरलालेबंधसाने काथपीअविलं
वकीहाने १२६ रो. सोवरलगलरीतकीपीदरयांमे
पंच- चूर्णपीजलनक्षोरोगविलंवकजाय।
इतिविलंवका वातपित्तकीप्रधकतज्वरयोकषा
वटजाय वायहोयवहुछवरोमम्मका नाहिवलार १०
वेरगिटककीमिगीलेजलसोपलकवताय वापी
जलसोपानकरभसरोग नसाय इतिभस्म १२८ दे.
ज्वरभ्रमहीपगादनछुरावभूलवरेवचषान स
मभधमुषजलवरे ऊंचनैठनरु मजान १२६ त्रि
फलात्रिऊटानीमवचऊडानिसोतमुवेर गोयम
त्रकेसंगपीयहरेहिमकेवेर १२० नासांभीतर र

धूपलै ध्वजवागणुरसान कैकायफलकीनासलै।
मगजकीटकीहान ३ त्रिफलम धीरेमुथनथनपन
काल विरमलसोयवमयान स्वासमेंरागिज्वर पंडरोग
पहचान २१ त्रिफलाकटूचरायतावांसनीमगिलो
य पीयेकाथमधुडारकेपांडकामलाषाय २२ चौ०
त्रिफलाकाथमेंलैजटय है लोकिटभस्मडुकरा प
१९ रमीतीनयहकिटमंगार त्रिफलाचूरणकमिलाय
१२३ दोहा मधुरुगतमिश्री संगयहचूरणनितप्रतिषा
३ पंडरोगवहुदिनाकापीतहुकालमिरजाय चौ० २४
मिलयापड़ानथमकसलतलेरसरसदिमे धीसदिमे
लेनथमकामनीमेलोतिनमे रेवंरचीमेपारलीना
थसंगमलनेरहा रहसरमरजलजचैववेउनारक
रतेलहा एकसेरफिटांउननकासिकेमंगवाके
केकेनमेकमाप्रयोगकिसीसपावा पां चौ०
मेदसदिमेपंद्रहियहस्पावा डुगनामेलगुला
वप्रामयवैद्यपिलावा यहरेंवदलिकंजवीपि
नरोगकेप्रकवैरे हरेपांडुगदपितको जिमसप
लमकोहरे १२६ त्रिमिरेंवदमार्कजचौ० सायनका
भ्याभाटकदीजे पांडरोगहिनमहलीजे वैत्रि [illegible]
[illegible]ममसमिलाय पांडरोगकीपीडजाय २७ इति
पांडरो० काननाकमुखनयनगुदालिंगकैराह पा-
वैरक्तबहुवैराजनरक्तपित्तगद ताहि १२९

वांसकैअमरावकी कापसितामधडार पीयेरक्तपित्तजीहरै
स्वासकासकोटार २८ कं ग्रभंकमलकेसरमजीठमुल
टीयलैवैवालाछिलैं पसामेथांमंगाईये लोधदाबमि था
धीकुहेरकवेकबभर कवेदायहब चंद्रमिलाईये चा
रसेर गमाह धाय चावरकोवकोररचतसा सभेऊषध
पचाईये सूकजायरसरहेघृत घुवशेराजवदूवीनघृत
जहजन्मकैवनाईये १२९ लोचनअब तरलाउरघृतले
चनमैदेकेनरवारनकसीहूकीजीये चलेरक्तकान
नलैउरघृतकाननमेअवर नाभवतेघृतपीकेहूकी
जीये गुदालिंगयोनमाहउरपिचकारी गुदालिंगयो
नरक्तपांनेसरलीजीये अवरामकूपनतेमनमेघृत
मर्दनकरहूवोदघृतकेगनेरवरीजीये १३० वांसाकोरस
थानडोरासहनसमानहो रक्तपित्तकी हानकरेप्रातज
वपीजीये १३१ क्षय: सानवकेप्रभ्रकवेस्कहंडीयाम
हवद्वावो पेसामरहनेतासुअंपेरषवावो सानवा
केप्रभ्रकतोऊपरदीजे नांपैऊरप्याला नांकोमुंद्राकीजे
ढाकरावसांहंडकापूर्वेप्रदुयपहरदे स्वांगसीतकैजा
यतवहेहरतालनिकालले ३२ चौऊवाररसमाहवा
हेहरतालघुटवो चंनक चनकप्रमाणगोलीयाकर
सकवावो पैछेयकमंगायमगजतांकपनिकसावो
उरकडाहीमाहगोलीयातांमेपावो नीचे,वग्रजरा
यजवयेठसमरेजायजर नवबाय गुटीरकपानां
सोहरेवनिपिनीअवर ३३ चौपाई वांसाबा

स्पकोक्काथकाय लोकनत्पर सामधु मिश्रीयाय र
क्तपित्त सबै कफ स्वास कास रोग को करै बनास ३४
इति लोकनाथ रक्तपित्ती दो० अंस पार्श्व मे उसन तो ज्व
१९ र होय देही जाय हाथ पाउ जलनेर हेराज यक्ष्मक कहवा
२०सा य ३५ रस तेल लेकर थांपत सभ सुका जाय देह मांह स
कीया मीयां उनन हाई रोग कहलांस ३६ दो० सत गुड
क बलक कीये [illegible] नीयेफर जौंया रनाच्छ देहीया मे स
जाकेहा उरु षत नाश ३७ कवित एकारंक रचीनी टं
क दोय लाची वडी [illegible] लेचार टंक पाठ वंस लोचना
मिलाय सोरहि टंक मिश्री मिलाय कर चूर्ण यरु नाम
सितोपला दिल रु नेच लसा चटाय हाथ पाउ दाह ह
रस ईई रोग नाम करे सायं सम्पूल मं दस्तुध का मस्वास को
नसाय रुचको घाते रुलेद कपित्त उरु को स रमवा सहि
कहारी चूर्ण द्याव ताय ३८ इति सितोपलादि चूर्ण
दो० मिश्री पीपर सोठले पाउं धनो लवंग यरु चूर्णो य
आहार करे ताई गद भंग ३९ अकफु लेउ लंगाय ते
कर्केपाय अथवा नाली मार षायप्रमा दे नसा
रु ४० क० लोग गडु कर्पूर एलादां चीनीवस चं
दकंकोल नागकेसर नगर लाय कारे ग्रगर कोरे मी
रोक मूल लीश उवांसा सोंठ वंस लोचना वाला मिला
य सम सम डार मिश्री डार आधी सम स मेलती च
र्ण लवंगादि का सहा सको नसाय ग्रहणी षनी सारम
ह यक्ष्मा तमरु चीहुई पीनस उरु स्वास गुल्मा राज
को नसाय इति लवंगादि चूर्ण दोहा मिश्री पीप

रसोंठलोंग अंबोधाविडिलवंग यहचूर्णयषाहे करे
नहेकोभंग ४२ आकफललवंगयुनगोलीयरकेषाइ
अथपकानालीसादिषाउथआ जायनसाय ४३ माज
नरलनानोलाभरत्याय सिलाजीतहीजैनेमपराय य
आरोगनहोइहाकरे ठोरऊपेनरुजानिहै हेरे ४४
इतिहहेकोमजूनसमाः ज्वरस कासखासत्रहसी
तिसार रुमतनामं हांग्रियोगिहार जरुचराजपषम
कफकार लोकनाथमधसेतीचाट इतिलोकनाथ
रस्तारिपरद्याषपुनहाचीनीपुनला कार्षकार्षभर
लक्कपरुनेजपालभीपाय ४५ सो० सिसिनलसिता
कजरजोठउदोइदोइकर्षभर कोरउषलकोंहर मा
धुसागोलीकर्षभर ४६ इतिराजयक्ष्मऊषलदो० स
कीषांसीवायकीकफकीकफमुषच्याय जमपित
कफपितलहालकीहगलाय ४७ गाधकर्षलेपी
परेसचैकर्षमेगाइ मरचीजनत्नारकेडूयफलभर पल
गुडपाय ४८ गाधकर्षजोधारलेगोलीकर्षप्रमा
न गुटीएकमुषमेधरेवेराकासकोहन ४९ कम
लबीजपसमहनलेसो हेरेपित्तकीकास काथकट
इसहतलेसाकरेपित्तकोनास ५० मर्चवभीतकलो
ने गसमवेरभागलैआन बंदूलकाथसोगुटीकरकी
रेकासकीहान ५१ कथ: नबाले पंजीरजरदआजे
मोदाथानधर वेषवादीयपरसांबीहलानाअ
वर गोफांसीडुयदिमेमरयहसलानो सफा
हेउवेर

ग्रवसमलठीदायदायरिमिल्यावो सलकवराजोकोय
यह सभकोलीजेकाथकर सर्बप्रकारामदायमेल
पीयेसभकामहर ५३ चो॰ दानमीसउनावमंगा
य पचासरपिसालपविचपाय अंजीरेबदंदा ए
चक्की
सार
२.
नेवीस दिमेचारवनकसादीस ५४ तुख्मबनमी
कोलेमंगाय तुख्मखीरयां३नमेपाय पांचपाव
दिमेकहियाहू परिसावसांदिमेलेसात ५५ य
काथवमलठीपाय सातदिमेमंगवाय सर
दायजलमेंघोराय औंटरहजलतोशरबतवायः ५६
एकसेरखांडमिलावाइ तोकोनमेकामामवनाय
यहसर्बतसफाकरयान कफखांसीसियामारीसहत ५७
इतिसफासर्बत ॥ अथः हेयभरबंकपासलपत्तपासमंगा
वो भ्राघसेरजलमेंपचायजलअर्द्धजरनावो तीसतो
कभरपायखांडकरीयेयावतमामा सकीबंसीहरे सर्ब
तयसखासरजोनाम; सबेतोलेदायभर छुतोलेज
लघोलकर सर्बेतयहनित्यपीजै येकासउबेतजाय
हर दो॰ मधुपीयर असहहसोकोलेनाथरकवा
र कासस्वासकफबेरगदविषमताप कोकाट इति
सर्बतयमखास ५९ आराबाउउपरचलेमिलेउदा
नसोजाय दोऊमिलकोटशब्द नहिहि चकीकाल
वानाय ६० आठउमधुसाचाटपेवापीपरमधुंम
ग तातोपीजै दूधकै करेहि चकीगदभंग ६१ मचा
विक्चलबंगपुनमिश्रीमधुसोचाट सेंधजीरा
नसदेहि चकीगदकोकाट ६२ इतिहिचकी ॥

चोपडे ऊलवीवांसां सेठकटाई इनिकोक्वाथ ओलेवना
ई पुष्करमूलडारकारपीजै कासस्वासहरहिकसदी
जे ६३ ला वावडिंग मंगथकेकरकनेलसे चार दिन
उठीसप्रमानहीकासस्वासदेकाट ६४ चो. सेपलतो
लकटाईलीजै आठकचारसिहनीरमलीजे यांकी
कीजे काथवनय अर्धरहेजललेकुणवाय ६५ पि
रयहिसैावधतांमेषाइ ओहमैकेदेनवनाइ चीता
चावकचूरगेलाय मोथाधमाहाजिऊटाहाइ मिळीप्रव
कोकडासिंगी रायसयन.प्रू लेभाडिंगी वीसेंपल
यहिसमलाय सोटछागतांमेरलवाय आठप्राठ
पलघृत.प्रतेल यहिमीलिंकेभीतरमेल नीचे
यांकेप्रयजराय मंद आचप्रवलेहवनाय सीत
लकीजेतलेऊनार सहितआठपलतांमेडार वंस
लोचनपुनपीपरलाय चारचारपलतांमेपाय ६८
माटीवासनमेरखवाय कर्षयकमारनितउठपाय य
हि.प्रवलेहकाटईजायान स्वासहिचकीकीहान ६९
हो. कासरोगपर जोकहयोजु नानीकोक्वाथ स्वासक
सहिचकीप्रवर हरोजोतितहीसाथ ७० लोकनाथ
रसवाटीये मधपीपरकेसंग कासस्वासप्रदुर्हेगद
करेसुक्तिनमेभंग इतिस्वसकास ७१ प्रतिवोलन
प्रतिक्रोधते प्रतिघाटेतेआन मादहानहैजामके

सोस्नर घातवषान ७२ कवित्त तेजपात त्वच चीनी
चववा लीजे त मूल जीरा ता लीसपत्र नीडा कमंगाइए छिल
२१ टाम्रमूवेत चितावंस लोचना ले कूर छारा गोली समग्र
इमेवनाइए पीनस प्रऋचकफस्वर घात रोगहरे च व्यापि
गो लीय कस्तुरव मैरषाइए अथवा स्वर घातपरहरे वेरण
नदी सच्चुत मूज संगमें धोचटवाइए दो० रत्तीचार मिश्रीत
रसमृगमद रत्ती चार चूर्ण यह भक्षन करे शारद घात
दे टार ७४ चौ० वांसा वसका काथ बनाय लोकनाथ मधु मि
लीपाय प्रातकाल उठ की जेयान सो इस्वरघात रोग की हान
इति स्वर घात ७५ दोहा अन्नपान वैस्वाद हीं वुरे लगे जे जा
स अरुचरोग यह जानीठो करे चकित्सा तास चौ० मर्चव
चीनी मंगवाइ लाची छोइ ३ वली मंगवाय इनको कीजे गा
सतन कार मुषमें राखे अरुच नसाइ ७७ दोहा तेजपात
न३ दसा त्वच सेले पर का पल डार अेयत्विक्र ऊजमनी केवी जल
दपल वार दसपल मिश्री मेलके चूर्ण करा सुजान हाउ
मादि चूर्ण कस्मावारे अरुच की हान षायय वार स ऊदको
गर्क अनार संग अरुच रोग के हरण को जिमनग एज ऊरे ग
७८ ०५ दल ० माधस्नर लेषंड किसाभवाना इए ० माधा
पाउ किर्निझ रसकापाइए दो० इमीन द जोश प्रातमें रा
बधर सर्वमलेम पीये अरुचमभजाय टर ८० चौ० रत्त
अनार को ले निक साइ सहित डार मुषमें रषवाय अरुच
राग का निश्चे हरे साधन अम्यामाद के करें ८१ दोहा
धनीया व नमेभर जके मिश्री तामें पाइ लोकनाथ अन
पान यहि दे अरुचन सवाइ इति अरु चि ८२ कवित्त ।

१ ला लवँग अकेसर परयंग मोथा मी गीवर की छेथीले चंदू मंगाइ ग
१ थीयर कोडारक रक्तर छारा उबीधमिश्रीमधु साथ चाटशर्द
कोनसपूरे थावेर मनकादाखमिश्रीपल पलभर लीजे चा
रपलयारीडार सीरानिकसाईय पलभर सहन डारफेर छाए
पाणी कीजे अजो शर्वराग छिनमे मिटाइय १४ कषे सो
ठ इची लीलोग अगरसम हंकर्ट कभर आधिसेर सबील
पाउ भर मधु आनधर यांको दीजे येपरा अइस बधाराधा
वो डेढपाउ भर षांड मिलायक मामनावो मगमदकेसर
मलकीछे हैरनी आनधर जरासायराकर डारीये तीया
लीनदेयाश फिर १५ दोहा यहि शर्बतउ त्रमकह्यो हरे
रागकफवाय शर्बत्रमकफवाय की छिनमेदेत नसाय १६
आधिसेर रसबील को षांड सेरभर पाय कर कमभ फिर क
षि छैरु बबील मिलवाय दीयतीनकिये यासदे राखोलीसेडा
र सबमनबील्यु नामयहि हैरपादै अतिसार १८ इतिसर्बत
हां र कमग लेवीहको आठभाग जलडार रहेमो चौथा अं
शाजलरुबबीहनिधार इतिरुब २० मंदमषमंद कफ
वढिशा है प्रातजोहोइ अमापाचक देकर तुरतदे रखुफोइ
२० पादैगंध कवेरकी सिंगीकपूर लेवंग तेजपात तज
लाय चीथीले मोथ समंग २१ अध्या अगर जुपीपर पेरा
सक्कवनाय मासाभरगोलीकरा चंदूकोप सपाय २२
गोलीपरकजुषाइय मधमधैके संग महाप्रबलउपजो
जुपाईकर तिछिनमेभंग इतिरम २३ चौ सिंगी वे

रकी पीपरलाय मोरपंषकी भस्मकराय लोकनायम
धसो चटवाय हिचकी शदे रोग मिटजाय २४ इतिश्र
२२ ई दोहा रूट आमकेबरजटाधीलेकमसमंगाय।
मधसोगालीबद्ध घर त्रिस्मा सोषनहाय चौपई षा
प्रान टामीठाश्रांकोप्रनार एकसेर रसलेनिकार दुटपोउसंषांड।
मिलवाय तांको लेकमामवनाय २५ इप: मक्त्रा
नारकवैठेडार योशदेलीनवाचार धीवात्रिषाचम
दवैहार यहिभाव्योहै सर्वतप्रनार इतिसर्वत २६
दो• एकभाग प्रानारले आठभाग मलडार चौथांशं
मजोडार जलयहहै रूकप्रनार इतिरूक पित्तरोग
वरयाकल्यो पाद्दादरमनाम वहिपीयेतनेहानैहै त्रिस्मा
रोगमराम २८ इतित्रिस्मा कवित सीतषानपान
प्रस्नानजलसीतलसो सीतलगुलावमुषअरसि
कीजीये मर्चे असीरंगजवे मरषिगीवरकीले काठकेसकर
ससिताडार पानकीजीये प्रथमाकार प्रभाको क्वाथ अत
डारपीजे अथवार सडारप्रावरेको सिताडारपीजीये
चंदुकमलहासप्रावरे प्रनारको रसरससिताडारपीजी
येतऊ मर्छा हरीजीये २९ इतिमर्छा: सोचबै त्रिस्ना
वत जी एति तडै को पुन रंक दा यहाय ईभर डोबाधीयत
लाईये मचैडुला डारची नीरं करंकमर समके स
मानप्रानमिश्रीमिलाईये मधुकेविकारसमनासवे
कोरहिनमाहि कम तोवणा यह चणवताईये ॥
५० वचऊभे डेकोषुररसं षाहेली कोवा काठ सहित डार
पीजे मदघ गद कोनसाईये इतिमद ३० दोहा सोप

नोसो घोयअनंतासोमरदोपाय समभतनचंद्र लेपकारदी
जैदाहनसाइ १ धनीयारात्रिभजायकेपकवानजेपाय प्रात ल
मारणमिश्रीमिलायपीवतदाहनसाय ,२ल चीसरं
कमिलचंदंकोमगवाईय ,पाठपहिरजुगुलाबमाहिभि भ
गवाईये दोयसेरजगुलाबमाहिओटाईये ,अद्धरहत
वनलेउतारकुणाईये वांडसेरमरडारजमाभजुकीजी
ये सर्बसंदलनामसात ३ रपीजीये पित्तरोगप्रहदा त
हत्रिषागदजायरल दिलकोऊबतदेनमिटावेहोल
रल २ दोहा ,विकोपाछे प्रानकेसीरादेनिकसा
य वहिपनूपानजोकीजीये दाहत्रिषाएनजाय १ति
सर्वेतसंदल १पित्तरोगपरजोकह्योपारदाद रसनामनी
वहीवाईयेदाहपरहोवे नमस्यारामन ४ अतिदारसुमका १स
रसानचंदेवदार हदीमजी ऊँगि अफलात्रिकुटप्रा
रकरंजयामंगाईये तजऔषनीमलीजैमांग दाहे चूडी
दोलमदात्रवतसम ग्रमेभगमाईये याहीपनपानकरस मरोच
नानकारयांहिनो याहीकोकर अंगमर्दन नासपांही
कादवाईये विषउन्मादअपस्मारराग हरेजोपेउचा
रत्रसेयत्नकोकराईये ५ इतिसिधमहवारफंगमर्द
उठ्यानगं घसे घो अजमोदाजीरेदोनाके कंटसेषा
तालीपुनलीजीये समभतमानवरूरछाएचरांकीजे
उनहीब्रोषधाकीभिनभिन्नपुठकीये कहोमवनु कोरव
रानमैसनमारस्तनयाहि मधुवनसंगवारयंद कम रा
नकीजीये हर उन्मादकरेबुद्धिकोप्रकाशप्रति

चूर्णकोषायगुनदेषदे बंदेबरीजीये ६ अइत
पाईगंधकमन्सिलबीजधतूरालीजीये चूर्णकरके
व चकीमातपुत्रपुनदीजीये इतनोमासनषकेषाप
उन्मादयोहरीये भूतोन्मादविनाशहोयरुपाकरे
यामहेश्वरी अपस्मज्वरकोहरैयहउन्मादगजकेस
री ७ इतिउन्माद वचचूर्णषायसहतसोपथ्यहा
धन्वरभात अपस्मारउन्मादकोदूरिकरेनरयाते
हुः उलषहूरसालवपरिसावतांपांचपं वयति
दिमेसनामेलेजोनरतहां सोंफवनफलाकायम
बीनजाठ्याउलबाहूलषासवषमारफलसलुमष
मीयामेमिलायतूले पंद्रापंद्रादानेलेसकैकर
जानोबहन होयसेरजलमाहिकायजाकोफिर
कीजे ईससेरभरप्रायडीनतबहीपिलीजे डारसर
भरपाउकरेजाकोफिरकमाम कहोउसमष्टसमबैन
यांकोफिरनाम कर्णरोगसहचपुनपी. हरैतपी
यहाकरे अपस्मारउन्मादकोयहिसर्वंतनिकौहरै
८ दोहा कहोअगदउन्मादकोरसओषधयोवखा
न अपस्मारपरसेवहीकरोजोनकीहान इतिअपस्मार
९ चौपाई लेअफीमपंद्रामिश्रकाल पुरासाकीअवा
लादसडाल अकरकरालाचीछडकेसर सबैंआ
धेपुनरलीजेपीपर १० पंचपंचमिलाहूमंगाय
कारडाएचूर्णकरवाय सभलेडगासहतमंगा
य करविकामामतोकारलवाय ११ यहिमजनेते

अथ मुसलम सन्कपीरकोकर है उपसम रहीहै भरवा
जनकराय मासेदोनकयांकोषाय इतिमजन्न अ
थ मसलम १२ अथः सोंठपीपरमर्चेलोंगलीजै पल।।
कारो जीरो माल कंडनी हिंगतेजवल दाचीनीपुनअ
कर्कोरा यहि औषधि लावो वेसावे समभर तुलायके
कर कूटणवो मोठदाकीपीठकरतामे चूर्णपाई पे
वडे लेकत लतेलमे पुनयाहि मांतकराईय १३ उदर
पूर्वकर वडे यही नित षायउरनहि भोजनकीजे मो
जनकरकैचउरंचतकनही भोजनकीजे गर्भगर्भ
लेवडे षायते सेवाकरावो ग्यादहि दिनकासातदि
न की सयछियं अकरावो रहेयुवायुवचारके सषतन
के मुसमंगहर १४ नास प्रथमकलोजी एलवालाय
अकरमुसवृतामेपाय चोरे अरमनी लेमुजेवाय जो
लमे घार नास करवाय वडूभंगप्रभुआनालाय इति
मुसवचांग षायदवाउ लेमुसारवडूभंगप्रधंग
पल्ला घात कर भंग १५ इति अथ गंधकतेल
थुरा रसशुद्ध मंगावो दोनोकी कर कजलीकेमत
वनपचावो समभर मे लीयाडार सातरतीपुन
षावो एकरतीयछिदिनप्रतिवडतेजावो वाडार
तीरकीसतकेपवनकेरा त्रिपसपुन पथ्यमातप
य घृतसितो कंपवात मिटजायपुन १७ वडूमंगअ
ंग अररकंपकंपमिटजायपुन ओषधकेरतो
मनकार राषोवात सजानेपुन इतिवातप्रतिकार
गुरतायीरातोर स्ईयाचुभनरपअरवाजपुन

मंडलसरवै वर्षासो च सं को चवुन सोयजायतन, म
वरउर देवदारुनीये कातरक्तकेप तेल हरणजानीये
उपाय कवित वांसागलोय, बंबलनामसेल काथा
२८ कीजे डारकै मरंडतेल काथप्रात पीजीये, पंचवा
लेतीन पांच समभागु संग षाय उपगलोय काथप
नूपान दीजीये सजीमजीठ नीम जाठ्युह्रधपिकी
पुनरुनसोप षाय तम्रई नकीजीये कातरक्त हरे जो पै
कउ वापलोनो षाय उस कामचामदिन सेननमदी
जीये १९ इति वातरक्त दोहा उरूमध्यपीरउपजक
पररहीयाभारी हायद उरूस्थंभ गदतास कोरि
जैवैद्यवताय २० सरसोकलम्बूतयहिजलमो
लोउटाय गर्मगर्म हरदबांधीयै उरस्थंभमिरजा
य २१ त्रिफलामोथापीपरे चीताकडू मिलाय
चूर्ण चाटीसहितसो उरूस्थंभमिरजाय इति उर
स्थंभ २२ सबअंगएकंगपे सोथसुरतावीर आ
ग्रमंदज्वर त्रिषा पुन जानो आमसरीर, बंबलताम
३ ओगाषरू देवदारु पुनहोय २३ सिरंदरैली गीएर 3
सेनगुगलोय २ नवाय जो पानकर संठी चूर्णघृ
वसरी जैवाय पुन उन तपीर करहरर २४ देवदार
वचसोंठले, प्रथ्या इनमें जोय विनापाठा इ जो मे
कडूगलो २५ औषध १ का १ कभाग लै भाग दोनु
वनीस चूर्णपी जलतन सो जआमवातवारदै
स इप: पीपरमचैलोगसोठचीताल वंग पुनः
लेवहेडे हरडआवरे दारचीनी लुन लालम्नि
मलही श्रीजराविंद सुदरहरजलीजै वेवरनाशालगर
व

लावाइनालीजे नारकलपुनर्निबूतेपंचपंच
दिर्मेखस दोषमुनकालीजीयेदलेतीमदेवम
ल २० दुग्री सहतनकमामकारऊपेमिलकावे ५६
ऐसे दोषनित्यघायबातकफरोगनसोवे दल
नवाहो २८ ताकेरे हरेसमतनकीपीर प्रलोद
लोसमहीकरे जानोजाकेगुनधीर २९ मंडन
पांमेजायजिम ३० ३० नकिंनसाहतपरे
ऐसेरोगवनेक हरमूल मधवातनमेवारे कही
सनीजोवातमूलनावेरसिनमे करनामूल
वातवधधिपणक्लिन्नछिनमे सबमेवारी च
लेहर दुर्गाधवडकी यहसमहरेरोगवधावे
मलीयतनकी बडेनरकोहितकोहरनर
रकफवाम पुष्टकरे वलकोवारे यहिसजेन
वापकलाम ३१ सनिपातबात मंडल हीयेना
भकमध्यवपितरजजानीये नाभतलेहमूल
वातकोजानीये पामहियामरउदामूलसेन
फकोलहे देयतीनम स्थानदोषत्रेतकहे।
३२ दोहा बगकीज उपीसकरतांविउ पाव मे
ततेमलसोपीजेपेसमूलसोभिजाय ३३ है
ईलोजकीकायवीरसेधोनमपरधूर पीपजी
लोमूलकीछिनमेवारहेहर सो ३३ लीजे
मूसवंदछेधानमताववारखावरे मिश्रीड
लपिवायापितमूलकोनासकोनासकर

३४ क० आपसे गोतादि नाना भीजै सिर्कै भारह यांय मेसु
कायसु नमाहि भजलपाइये सोंठ सहाव असरु फुदनाथो
नपाउ लौनदसंधे मीमरंकक एम्याइये सधसाविगु एा
क सहत नाहिकौं भामकर औषध धसम नृाउ याांतु नाहि मि
२५ मिलाइये नामयाहि कास्री होरेमल वायकफ रागटैक
होयताते जलसंग जो पिलाइये ३५ इतिकासनी बे
हलगुलाव कासनी साय इयडुय टैकपाव जनक
राय पोसवेप कासनी लीजे काहजुवानउस्रसमि
लीजे ३६ यहि सभरं कर्टकमर लाए अधारहि लेतु
छगवाय बांडती सरटंक फिरलाय ३७ मिसजलमे
करखांडक माम यहि सबनदी नाम सुनाम हैरे पित्तगा
नकोमूल त्रिधाक विजपु नकरनिर्मल ३८ सोला
रेंवद चीनीटंक मर हादसं गुलाब सर्वपंद्र घोल
पीपित्तमरलनहीजाव ३९ इतिसीना लेवत ..३ल
अम्लता सुअसत्रिक लालीजे कायकर पीउआम स्तमा
मधपायपित्तकोमलहर पीपरसौंचल अभयापीये
जलनमसो हरेपीरजिमरूअह पनसहमा पीप
र सौठनिसोतजोअभा लीजीये सौंचरलणमिला
य चरणकीजीये नातेजलसौंपीयेपंचसमम्लल
र: ४१ सियफारपंचानकाक हरकर ४० रसाः हेस
वाईविषगंधककसो और ऊपर हकराव सौंठमचैप्र
८पीपरैसंधवतामैभाव ४१ पानाकेरसवरलकरगा
क लीरत्री दोष कहयेमलगजोहरि हरैमलकाहा
४२ इतिमलः अन्नपचतमैमलहै कै वेदमल
मूत्र मलवालो सर्णमयचमानायमकोहूत ४३
चो० तिलगुड सौंठ ज्युदमागाय हुधमारियहिकाय

थवनाय सातरिनातककायपिलास हेतेमलपर्णाम
नसाय ५४ इतिमरगाम वातजंभाई मनेपुरीषबडकारपु
ने प्रासलछीकाशब्दसासस्वरवी येफुन बुधाविबध्र
रनीदजोरोकेलछुन इनकोकमेबंधहैजाम उदावर्ते उपारा
लछणकहिताम ५५ दोहा सोचरसानहरीतकीपीप र
रतांमैपाय पीलपीउजलतनमेहोउदावर्तगदजाय
५६ गुरीमलमोमेनफलकटवचपीपरलाय गुडा
सोवातीमुदामेउदावर्तगदजाय ५७ हमलछंदः
जंगीहर्ड हरडकाबली प्रावभीतकलेआवले सात
सातमिस्रालयहस्रम कूटछाणचूर्णकरारे प्रफ
तीमूविस्कायजलीजे त्रिवीउमखइसमिलावो ती
नतीनमिस्कालले करी कारवावो ५८ धोयआला
अंगारीकूडयडयादमेसवस्त्रछणावावो समेतगु ने
५६ गनीसहतडारकेकमामकार माजूनवनावो नाम
मजूननाजायवषानी षाय चार मिस्कालसमसा ॥
ताताजलअनुपानवीयकाफउदावर्तेकोनिटप्रदेस
५९ इतिमजून रूपे पाईधकसेंठहहागपमा
वेसमाना प्रजेवालेइनसमकेतलमंगायलजानी
चूर्णकरकैषांडआरतीवेवावे सीतलजलअनुपा ल
नमलकमलदोषनसावे इवामेसीनामरमरोएफपफा
रारूपाकरे सजिमसगपतगनकोसरे इतिउदावर्त
६० रूपे शिदनाभिकेवीचगांठविलीनिधोरा इस्य
रवोचंचलगुलमहतीनमकोरा प्रन्चनजीर्णकेर
सेगुलमवायकोकोपे भोजनकीयेलकफगुल्म
सठेमसत्रिदोषवल प्रन्चपचनभीपित्तगुल्मनिज

३
२६ पस्मोवै रक्तगुल्मकस्यो स्त्रीनको गर्भाचिन्हपुन
चिकि॰ वैद्यस्य ५२ चौ॰ ग्राकफलैसरभरलाय सेरदकाम
सार लमैउठाय नवतकनीचै प्रांचरिवाय जवत्या
लेजपवैजाम ग्रीष्म मलपीपरलाय कठक्र
एनीमेरलवाय शर्करापुनसेगमंगाय येसा
पेसाभरएमलाय गोलीकाकनवेरवराबर इस
कीजानोवैद्यउआगर गोलीप्रातरात्रनितखाय
वायुगुल्मजीहामिटजाय ५३ दो॰ काढ्यावरे अम
रसघृतखरदूधमिलाय श्याठश्राठपलप्रानय
एमंदपत्रजोपचाय ५४ जलकोअंशओजायम
लवतलेउतार वायगुल्मविरेचमदरक्तपित्र
कोडाल ५५ त्रिकटजीरेदोयमंगाय सेंधापुनपु
जमोदमगाय एभयहश्रोवधलेसमभाय प्रं
शत्राठवांहिंगमिलाय ५६ चर्णप्रथमग्रासमेखा
वा य वनसोमिलज्जुमनकराय कोरस्तुधावायकफ
हरै गुल्मशूलनिश्चेवरभवै ५७ सेता चर्णपीवै
त्निसातकोत्रिफलाकाढुसंग कैगुडुपम्पादाषरम
पित्तगुल्मकरभंग ५८ सम्पर्देतीनीलनीत्रिवीकं
बीलालाय यहिसमउौषधकलककर इनसोंदी
उपचाय ५९ दूधमवरविडसोएमेयहसमभु
क्तकराय हरैवायकफगुल्मका यहसोधनकर
वाय ६० षडलःरमः यादेगंधकपम्मापीवर
तुलपर अंवलतासरसपोहर दूधसावलेकर
गोलीमामदकप्रातउठवायपनर अंबकीकापन
रसे

पानमलोवीपुलाटर ६२ अमिगुला अधमेरसकोडूधक
रोगहीयमैजान हियमेवकुपीराकोकोहू हेरोगनाहिम
न कैपतसाकेहृधसेवेगुउजरुमेसाषाय काडेरसांव
कीहुलेकोहदरोगमिटजाय गुहप्यारमलयोसरा
नसोचरणकरचटवाय रिदेरोगपुनस्वासरपरकास
रोगमिटजाय ६४ बेरनुरसकोधकैलेपेरेचारप्रमा
न सवेवृनघसायोटकीरिदेरोगकीहान ६५ गुडरु न
अभ्रकपारदगंधककुनकीभसमकार काऊविरछकीप
कवीसपुटपुनघामधर मासाभरजलसहतसंगा
रहचाटीये पांचरिदेरोगजोछिनमेकाटीये ६६ इति के
हृदेरोगमाहः दो॰ ननवातकपीडासहतलिंगछिद्र
केराह मूत्रजोवारंवारवैमत्रच्छकासताहि ६७
हड्डेगोषरुपांवराजोवांसालीजीये मेलभेदपाषा
णकाषकरदीजीये सहतडारकरपीयआतयरा
पानकर मत्रविछहुपुनमूत्रबंधपीरपुहर ६८
रसकपाईसहतपुनवैमिश्रीजोंषार मत्रकछ
सगरहरकेसोग्रंथनिरधार ६९ ऊंदरसमीमलकीज
कनवलसमंगाय वजरलेकलेकमुजायफिरसम मंगावै
भजोषध(जुटवाय ७० उपीसहतकमामचारकरम बी
जनरवह दोमिस्रातलववायहर मत्रविछकुप्रमेह
अमिभजन ७१ दोहा ननकगर्भकारहथकोपीयेगौ
गुडकोडार मत्रविछकुप्रमरीवातरोगसंचार
७२ तोलाभरगुलकंदलेधकेवारीयंसंग केप्रभा
मोरककेहेमत्रविछकोभंग ७३ डारपानकलस

लेउ मूल सवासेर गोषरू मूल पांच सेर जल मे औटा
य सवासेर अवशेष राषाय वाडु शाधसेर तब डार
न मे तो कुम्भ ले कुलवार सो ठ मचे पीपर जो वार गह
२१ केसर जातीफल फलथार ७५ लेवय लाची के बीज
पल पल भर यसे औषध लीज वंसलोचन आध टंक भर
शहद भरा टका ण चूर्ण कर ७६ शहद भया कमासे लेवा
२ य पाक पात्र चिकने पाय टका एक भर नित उठ षा
पथरी मूत्र रोग दूरि जाय ७७ मूत्रकृच्छ्र मे हित करे मू
त्रोध को छिन मे हरे दूरि करे अश्मरी समे रु गोषरू पा
क्वाथ लीजिये पह ७८ शिंगु मोया लीजीये दापदा
टंक प्रमान चतुर्थ [illegible] होहि गुड सो गोली षान।
७९ सेहत आधा रसवंत बेर ले रात्र राष भिजे वाय।
प्रात छान जल जल लेकु फिर वेण छिद्र मे पाइ ८०
लिंग छिद्र मे वेण धर कुक मारस्य डार मूत्राघात
रोग को छिन मे करे संघार ८१ त्रिफला नकल षवरी
पीये पीये लोन को डार मूत्राघात के रोग को तुर्त कर
संघार ८२ इति छह घोरा घोरा जे सानि कसे मद्य
सोई जान अथवा होवे वंद ही मूत्र रोध सामान ८३
सरस करा इ को कढवाय तंदुल जल सो घोल पला
य मूत्राघात को रो रोग नसाय मूत्र विष्ट नाम लाव
वाय ८४ दो· मगज कद्दू तुष्म षिर्फा वरषास का
सीरा तुष्म दार गनि सो सनामे लो वीरा सतमूली
ची मदि मे समभ ली जे दिन मे दाय वजपायन गुरा सा
नी दीजे ८६ सभ छरा समभांड फिटी तोदेन म
टा णकरे सर्वे सम समवाम अनुपान वार मजे र

धपीडा हो ८७ सर्वेनवनकमापीजाये तांडारगुला
व मत्रोराधकीरयाकेपडि नमेडारे दाव ८८ नमकन
लावोरीकलपा वैबूराइ रमनीश्वान लिंगछिद्र मेपीत
धर मत्रोराध हायहान ८९ इतिमत्रोराध मत्रहायपो
याहिसमे ननकनातांम्याजाय ३०३४ वनिकसतप
देश्वसामत्रकारिताहि ले० हुवे ॐ प्रवरव लेतम
माय वीसवीर दिमैतुलवाय किर्दि मान पसेो
घालीजे पांचपाचादिमैयहिदीजे दसदिमैलेगा
सो०धनार फुटछाणसम चलिफवार डुगनीमध
हाकरे मजव वायाधवसामत्रवकर ऊन ९० दोहा
टकेदयजा कलामवानितश्रीते ३०या वाय ?धव
सामत्र वेरोगकाछिनमेदेत नसाय ९२ सेनमत्र
उपाय वो० वज्रलवंजमचेलेचेत वीसेटकासम
लेत केसरवाप वमरसाय गोरहिटेक०३फीम
मिलाय तांकोलेकमावनाय नमकूट ओषधी
काय नरसिंहापजनविनिकाय सबमत्रप्रवाहमि
टय मालाभरयतिनितप्रतिवाय ९४ इतिमजू
नवर्सधारा दोहा सामवरोकेधारकोदूरसवेया
हाय जारजकुहोवेदत मैचिन्हायरीकासाय ९५
लांचीजाय गोषरपीपरिभिदयवान वांसादरंड
मललेवीजहं आलम्यान ९६ रनैकायवनाय
केप्रातकालमिलवाय सववस्तुपापच्यारीरोग
सोकेराजाय ९७ मसिलकालवलातलेप्रवर
केरेलालाय ॐगजलपुनमेलवे ६ टेरमलवराय

२९ घजाम्ब्र सोरं कै मगोलीकरके षाय महमूब स्मरी रोगा
कनेल यहि नर नहि हरकाय ७९ चोपई सालपार बारां
स तूष लाेमे डाल षरुद्ध डरकाय कथिस्काल षाधि
२ मैं जल मे औटाय रहे षाधि पाउ ले कुणषाय ३०० म
द षाधि मिस्काल धुरषाय षांड षायमीठ करवा पा
हय लये हि स्नीमिस्काल ५ पीपे पथरी को टाल
१ दोहा जाय यो रोग नापायरी और उर तो याग तका
नरकी चीरके काढ़ो पथरी रोग ३ त्रिपथरी २ दोहा मूत्र
वर्णकी मूत्र करवीस प्रमेह वषान भिन्न भिन्न भाषे नही
ग्रंथ भर्म यमान ३ त्रिफला दारु है दे को लाइ तुमे दी ज
३ मोथा पाय काथ पीओ रक्षी रजधूर करे सक प्रमेह
पुहर ४ कवित्त पीपर मचैसोंठ किवां लस लागु डुल
र लैं आंवले थ जामन मूल हरी पुनमानीये लोधनी
नबर्णा करंज पाओ महुय लीजे पलवल चरेजी काउ
ना चीता वषानीये इली चोक त्रिफला अरमला मम
र्णकीजै सह नागवाय काथ त्रिफला के अनपानीये
होम मेह मद मेह पिडका को घूरो यहि षाय मूत्र
लोक रज हानीये ५ इति रोधादि चूर्ण चोपई गं
दम मर्च दूदोय लाय वीजवंद पुनकेंदर षाय म
मरचि गम पताशी री लीजै सालब मलकी दमी दी
जै ६ वंसलोचनालभमराम यहि सम एक
वालेदंम हे छुहला मतपनार के फूले अकाकी गोलाब
या है दिमतल ७ मके वेद मुस्क गुलेव पाउ दूर्ब
पाऊ भरदोना लाब सम ते त्रिगुणं मिश्री लाय
ताके संग षामवनाय ८ औषधमगे रतांमे डा

१० मजन ऊनवालीलेऊ सुधार पांचदिमेनितप्र
तिउनखाय वीर्यमेहत्रमेहनसाय ९ इतिमज
नऊनवाली दोहः रसलेसिंमरछालको हदेसह
सपरभंग हरेमेहसोधनकरो अवामादकासंग
पाईखपकआवरे रसमैदेपुनसात हरिसंकरयह
योंकरेमेहगदघात ११ इतिप्रमेह दोहा ऊ
चननंतमगुदउङ्टमोटेवऊवेजाय कार्यामशात्र
कुगांधातन मेदरोगकऊनाह १२ बांसापत्रको
रसपीयेसंबमसककेयोग केहतवाकुधिनीसो
मिटेमेदकोरोग १३ दोहदेहसो हरर ऊमजी
हकचूर प्रावकाल तिलमाथकार वरनोकुगं
धहर १४ चौ० त्रिफलात्रिकटावायवडिंग मोथा
चीतागुगालसंग गोलीकेदायमरसाय ॥ म
नवालमेदाकफजाय १५ सूठनलपकपूरघोई
लाष फकाह अजवर ॥ मरतरसंमभाष हवो
लगमेथीकिबीज दसदसदिमो यहिसमलीत
ज रेवदपंचदिमेलाय समतिकुगनीस
हतमिलाय नाकोलेकमामननास डोवप
रटनाहिमपाइ १६ यहिदवाऊमुसकरगा
र मदरोगकोहरेउदार एकादिमेनितपा
तियहिखाव ताताजलप्रपीवे नकरावे

रोपणरीऊजलोदर मूत्रोधविबंभदैलहर यहिना ग
जस्नमिनभदोणकरे रोगउदरकेवडुनेहरे १८ श्रुति
२६ मज्जन मुस्कसरगार ॰षडल मारयोतांबापादेम्प्र
डकुकीजीये बोलप्रवरहतालल्लुलस्भ लीजी
ये ॰आक्रहधलेगोली त्रीदोयमर कहोसहस्र्सो
वार मेदकोरोगहर १९ टकाभर जलमे लीयेसहत
टकामरमाल वउकोअग्रर लअनूपान नंमयाहिकी वा
जै॰अनूपान इतिरस २० ॰षडल चलनेविषप्रभात
७फाराकेहुन दाहरुदागरमालहूवेरा सोजतम
मलअर मूत्रमसमीनबलकरेहायजर ३ इवली
वलवर्णवनिर्भै उदरगद २१ वातोदरसोंउदरके
नसेदवीयेसाम धीरेपितोदरवत्सोस्वतनसकफ
धामर २२ वामेठोरजोनाभपलीहातांजान यकृ
तदाहनीओर कुरमलदाणादाउजान इतिशी
ता २३ चौ॰ सोंचरपीपर छाछमिलाय वातोद
रीकोयहियोष्याय संघोजीरोत्रिकुट जेवानी
कफउदरीकोयहीनवानी मिश्रीसवैचरचैड
र पितोदरीपीयेसुधार संघोत्रिकुट छाछपु
नवार वायजठरत्रिदोषसंहार २४ सरपंवा
लेउछाललिलाय छाछसंगलीहासमनजाय
२५ इरविर मोसरीनकोदेवद लउगुलोय काय
जोगुग्गल मूत्रगोपीयेउदरगदरोम २७ ॰प्रम
॰अजवपारलेहिंगवडिंगसमाव भागतीनलि

सोनके चूर्णकीजे छाए नातेजल सौपीजीयेकै मेव
काउसंग शूलप्रकारउदरगदवाउलरोगकोभंगम
२८ पीपरयाहरहदधमेलीजै छलेकाराय टांकएकजा
लतत्रसालेपीये उदर्मिटजाय २९ सौवंचलोएलहीतकी २
पीपरतांभेवाय पीस्यौउजलतत्रसौ हन्नोउदरमिटा
जाय ३० छपः पीउबारर सपं चोहरगउ तीनसेर
ले अइकरस लेतीनसेर नौकेभीतरदे त्रिउरात्रिका
लातीनतीयलभर यहिलीजे पलभरवायबडिंग
हलहठिहीयामेदीजे एकमहीनातकरा दाबमे
मभेराखीये वायेउदरभर तैनोकारयेसाभरनितन
पीये ३१ छपे जौभारसैं चरपारीकचत्तौनालीजे
संघोलजीअवरसुहागचूर्णकीजे आकदूधपु ×
तसेरक दूधकाटलेपावे तीनतीनदिनतकर
आमेघारलकावे आकपातऊपरतलेहंडीयामे
चूल्हेधरै हंडीयाकोकपरौटीकर गजपुटभ्रम
दभसमकरे सोंठमचेअरुपीपरै मुनीहिंगुरमगा
ब त्रिफलाबुईचवकवडिंग स भहीऊरवावै
समभारनके तुल भस्म सली चूर्णकारगावै घा
लहाळकेमाहरंकदीय चूर्णपावै सोगुलमजा
कतअरुचमंदाग्रिकानासकरै शीहाउदरगदम

त्रावीरै बजावार बलाकही अतिचजदार ३२ रसदो
मु३ ज्यादोके सोठ्यु३ १ भागओषधखाय सोरलिमाहे
खावेरै त्रेपललोवडजाय ३३ पंद्रहदिनकेसीमदि
ननकयलि औषधखाय सोयरोगपुन ३४ रगदम्बर
चिकि त्सासा चरोगमिटजाय ३५ पीपरजीरासोंठपुनसोघ्या। चा
३० वलाय पाठकाराईगनेकलाहर्दी छ ड ३ ऊ ट खाय॥
३५ चर्सोतातेनिरसोबालपीयेनरको ३ पांकेसम
पप नहीऔषधिसोहरनकोजाय ३६ त्वसाठीसोठहुतां
जना ३ रसिर ७ श्री रक्तदार कीजीतेनीलेपकरसोघ
व्यथाकोटार ३७ म्यरत पारदगंधकसार पुन
पीपरत्रिकोमगाय देवदारमचैहडेत्रिफलाचलेव
राय ३८ गांयमूत्रसों प्रातयहसोजरोगरमखा
य उदररोग १ रसोस कोहिनमेदेननसाय ३९ २
तिसाय दोहा ३ रू जोकरकी संधतेवायनायप्रान
हेवंद ७ पुड ३ व धीनिनरोगको जानोवायऊरंग ४०॥
पीरापुनकेटवाततेदारपुलकेकडुपित पाजयुने
कफकोकलो ७ पुंड रोहुअमित ४१ गांयमूत्रसो
पीजीयतेल ३ रिंड मिलाय कोष्टवायतेसाथमो
हदनसामयमिटजाय पीयेजोत्रिफलेक्वाथकोगां
मूत्रमिलवाय सौजवायतेरषणकी देततजु
तुर्तनसाय ४३ जीरानेतेऊठवचचर ३ अ
लेजसमान कांजीतेनीलेपकर पुंड सोयकरतन ३०

नीलकमलअर कमलकसर जो चंद्रल्याय रूपणलेपकरह
धि सो दहिलोयरुजजाय इतिधिसोधकोलेप ६० संसो
प्रौसत्रहा जणयीमलेपकरवाय प्रंडसोधककवायर्वोछि
नमेदेतनसाय ६१ यादिदोषतेमोयक्के सोधनवहीकराय
सेंध्रदोषतेलोयजोरुधरमोहाकरवाय ६२ इतिअंडवृद्धि ॥
सो० चोरदोषतेवायनृपरगजो नीचेजायढल तांकोदेत
चढापपीडलनमोपीडापीडाकरै ६३ दोहा गह्वरएरंडगो
पत्रजाक्षुवालागि लोय कायतेलएरंडयुतअंडवृद्धिग
दहोय ६४ गांयमूत्रमेसिद्धकर एरंडतेलमिजाय हरै
यांविधप्रथमकरसें घोकेरमिलाय ६५ प्रातकालमदरणक
रातातोजलप्रपान प्रंडवृद्धिदानेमलकोरेजुधिरनेमहा
न ६६ इतिअंडवृद्धि ऊ० नकरकीसंधजोयदरणकहीयेतहि
गांडसहतपीडातहावृद्धि रोगवाक्कवार ६७ अम्पाकलकव
नायकेएरंडतेलमिजाय पीपरसेंधोसंगवायवृद्धिरोगनि
टजाय ६८ गेहूकुदरपीसकर मेढहद्य फिरपीस नलकु
कुनकनोलेपकरवृद्धिरोगवारखीस ६९ इतिवृद्धिरोग॥
सायहायजगरेमेलरकेअंडसमान वकुछोटेप्रथवावडीम
हागलगंडवखान ७० वहीनहोवेपाकवेभ्रवेजोयेद्यस्त
जान नासहोयनिकाल प्रवरसोगलगंडवखान ७१ मनी
कोधगालवदामेंवदाम फनोहाय गंडेवेरककोउसमगंडमा
लवाहिसोरु ७२ द्वये सणवीज सहांजनवीज मूलीवीज
जवलीजे सर्सोअलसीरुट कोलीजे अम्लछा
छकेसंगपीसकरलेपकरावे गंडमालगलग्रंथकोरोग
नसावे देवदारुवरासा संधासासवडिंगवुनकट
तुंबीरसतेलपचव गंडमालगलगंडहन ७३ दोहा

देवदार सेंधव त्रिकुट जा अतु का यव डिंग इन सो तेल पका
यमलअप चीगद कर भंग ७४ देवदार अत हो मर्णको
३१ जीरे तीधीस तनकगमे कुदीस कार अपची गद कर षी
स ७५ चौ० पाद अडक वभर लाय साधकर बगंधक
मन्नर को पाय इक कर्ष तांबे की राष मारलो किर कर्ष त्रै भा
७ ष ७६ त्रिकुटा कर्ष षष्ट प्रमाण साधि कर्ष सेंधव कीप्रा
न पल त्रै कचनार की छाल पल त्रै प्राकी गंद लेउ
ल गो मूतसो सभ को कुटवाय मासे तीन प्रात अषा
य गंडमाल कंडन रस भाषाय गंडमाल गल गंड नसाय
७७ इति गंडमाल कंडन रस दोहा त्रिफला कर्ष जु तीन
मर त्रिकुट कर्ष छे लाय कचनार की छाल को हा दस
कर्ष लाय ७८ सम सम गुग्गुल डार के मधसो गुटी बं
धाय गंडमाल गल गंड हर हर अपची यहि भाय ७९
इति गंडमाल अपची दोहा सांझ होय जो पाद मो तिली
पर का ही पसाय कांगलिंग ह गनावा को सोय कहै हो यै
३ लो नको ३० सरसों इट सिरस हो अनेले नगड भर पई
पीस धतूरा लेप कर करो सिलीपद भंग ८१ चौ० कर्ष
एक पीपर को ला दो य कर्ष चीता पुनपाय चार कर्ष
पीपर को सलेय अभयावीसतां हमे देय ८२ दो पल म
गुड जोमे पाय सहल सुगगोली बंधाय गोली एक
प्रात अषाय सली पदगद को देत नसाय ८३ इति
श्लीपद दोहा गुह्म मानतनक गुलमयो बढ नविद्र
धयान धोउ सहबट लो घनो सो विद्र ध की है चानाम
न ८४ गेहू यो भर मूंग को लेऊ उसकर पीस लेप क
र विद्रध अपग तुतन को रै यहि सीस ८५ लेऊ सहो

मनाकरायकरसेधवलिंगपोधूर पीयेप्रातवकुदिनोको
विद्रधकारैहूर ९६ अपललीजेकायकर चूर्णतिवी
नंगाय पीयेप्रातवकुपित्रकोत्रविद्रधसोयनसाय ९७
अविविद्रध चौ॰ पारेगंधकलेसमान मर्दालिंगदे
यसमयान तीनोतुलावंवीलाप्रान नीलायोपा
तनकोप्रमारा ९८ समतेषीठ चलगुलधरे हरैनी
मदलटिकीयाकरै टिकीयांतलि हतमाहि तलावै ॥
धुलीहोयेतवकाद्सरावै ९९ तिसद्दतमेसभजेस
धपाय मांकीकीजेमलवनाय सोधनरोपनमलम
वनाय सलादेतव्रणनसाय १० ओरजुव्रणयोनमे रोम
होय तिसमेमलमपत्नकरदेय नारीव्रणसकव्रण
जाय मलमलायतनमेसुषपाय ९१ अतिपादादिमल
दा॰ मूलपानकोकाढरसवषसंभाललला तेलपचाय
जुलेपकर नारीव्रणागिरजाय ९२ वीजबंझलमंगा
वराय [redacted]मेपीसं रोगनारैसोयकर तुलेपीडकारषी
सं ९३ आधीलेजलायकर पीओसीपदधिसंग यहि
ओवधदेवैष्यवररोगनारवाभंग ९४ अतिनरवा से
त्रिफलालेजलायके घलीतेलमिलाय अगुद
ध्रवणलेयकर औषधदेवलाय ९५ इतिव्रग्र
दग्ध गुदालिंगकेबीचमेफोडाहोवेजोय श्रवै
ओरपीडाकरै कह्योभगंदरसोइ ९६ त्रिफलेरसमे
लीयेलाहवलारेलाय लेपनकरीयेतनतेहोरोगभ

3

श्री

गदरजाय गजकेसरसें धात्रि वी तिल मंजीठ लाय
ग्र ढंनी अरु इनमें लके रोग भगंदर जाय ९७ गंधक
५०॥ बलेकर निसूर लपुष्ट मान बाइरतनी भर सहत सों रो
गभगंदर जात ९८ लोसरा ऊरले मूल ली चूर्ण करिये
धारा कांजी रे तीपी जीये यहितो कोसभ नूपान ९९
ला इति भगंदर रोग दोहा भंगराको सरसजानके त्रिफला रस
लमिलाय लिंग धोय नित हरस मन सोंदे उपदंश नसा
य ५०० प्रथम तीन दिन वमन पिलवाय फिर कराा
तोरी बीज मंगाय रातरा घजलमें भिजवाय प्रात
शारगा पीट की जाय १ दोहा सिंबल पेसरवत भरया
ज गांठमें पाय पांच सेर गोदूध में ताला जो अंकराय
२ सिंमल ली जैदब भरया हिविधपुदुकंराय न
वा हीर अरु खेर ले दोय से यटं क मगाय ३ नागवे
लरस्यरलकर गोली मर्च प्रमाण हरै वटी उपदंश
को गाय दूध अन्न पान ५०४ अकर्करा ईयरकत्थो
गजकेसर पुन लाय धमपान कर आहिको दे उपदं
श नसाय ५ चौपई उपदंश ते मुखपाका जो होइ
ताय वनाफ सम्कर हैको ३ वैरतपात्र कंकोली लौ
ऊँटीकर मुखपाक नसाई ६ दो मुखते चलेन
नीरको कारे मुरह विधहर तवालीर मुगमाक ले
मुखपाक के परधूर ७ ३ घरेचन लेमर नाय संरंड
यां को काथ वनाय प्रथमे लाधन देगोहि फिर उपचा
र कराय इति उपदंश ८ अथ वज्रहि भातके

नजनकह्योवखान ग्रंथभरभयमानकेकह्योनातोंहिन
दम्न ९ इंतीत्रिफलात्रिवीसोधू प्रथमकराय प्रभातमो
दकहेकेफिरउपचारकराय १० नीमफलोयपटोलत्रिफला
वांसापेरपुन चरमिजलमोतोलपीयेऊष्टगकोहरे ११
रत्नाऊहवाडिंगपुनभचेवरहटीलाय इंतीरसवतसी
कयहिलेपनऊष्टनसाय १२ चौ० दोसैतिंदूलेमंगवाय
तांकोलीजेरसनिकसाय रसचिकनेबासमेपाय तांकि
विधमवरेउवनाय १३ पीरीपीरीगंठेदार सोकपरद
कोतामेतांमेडार दिनचालीसदायरषवाय जवलग
जावेरसनिकसाय १४ पांनदामतिलतेलमंगाय निंद्र
रसकाप्रदेकातेल तीनोघोटदंडसोमेल देहिमंदि
कीजेनास होनऊष्टकोकरेवनास १५ वादफगवा
उकीजडल्याय तांकोलीजेरसनिकसाय याहिपैसा
भरप्रमाण नित्यप्रतिपतौकीजेपान १६ यहिपीवेव
ऊत्तिप्रकारे अंतरवैठचलेनहिफिरे रहेयत्नसोवाय
वचाय चरणकरोटकापथ्यकराय १७ लेखरगविनामो
जनकरवाय सिंडुऊोषधिहेवताय दिनदकीसतक
यहिविधकौरे सतऊष्टनिश्चैकौरहरै १८ हऊकावलीदि
र्धवीत पंचादिमवाडिंगयुदीत ओरवहेआवलेल्याय
दलदसारिमैभरतलवाय १९ चीताओरसोंठलेडा
र यहिदानोत्रैफिल्काल गाजजपुविस्रायजलाय

त्रै १

औरतुलसपहसमिलाय २० सातसातदिनमेयाहितीन गरी
अंरदिनमैद्वैकीन अंदरमसकीलछुलाचीनल लोग
प्रनेसलुउजातीफल २२ दोइदोअदिनमे पहिपान अउदि
२३ मनभरप्रमान पीपरअगजकेसरपाय दिनेबकस्व
तलवाय २३ समतेदुगनीसहातमंगाय तांकोलेक
मामवनाय उोषधइहनाहीमेपाय तांसेचिकनेवास्त
२४ पाय २४ यहअजीफलमहातूपान सहकउष्टकफ
गदकहेन स्वेतकुष्टकोनिस्चेहरे दिनचालिसैभस्त
णकरै २५ रतिकुष्ट हरदीदोनेउअले मोथातामेपाय
पीसछाछसेलेपकरदादषाजमिरजाय चोकापाडंम
गपवाडकेवीजउअमंगवाय स्युजरसिंधूलेगंधक
तांमेपा २७ धतूराअरुनीमरलनागवेलमंगवाय
इनतीनोकेरसमेतीनोवारछुराय २८ यांकोलेपप्रकी
जीयेदादषाजमिरजाय कंडुअरवचरिककोनिस्
टेतभजाय २९ पंचलतसकेपानलेकांजीसेलिप
वाय चिंमरोगअरुदादपुनकंडूउष्ट मिटाय ३० नी
मपातअरबावचीहरैअरावरेलाय इंकठेपगामन्तस
मीवनषाजमिटाय ३१ मनैसरसिंधूलैचोटमैस
वनसंग पहिपुनलेपकीजीयेपाजरोगकरभंग
३२ चिंमको करलीदलकीभसमकरतांमेहरदीउ
ल जलसोलेपकीजीयेमिटेचिंमतत्काल ३३
निंबरससोलेपीपगंधकचंदलाय दिवससा
तअंतरबिना चिंमरोगमिटजाय ३४ पानपानरस

मेलेअमर्दनमधहि भोजनकार जलधेरको सरूऊष्ट मि
टजाहि ३५ अथहतोलेरस: लेजंभीरी रंगहो धोयडा
लहतोल दसवेअंसंसहपालेताकेभीतरडाल ३६
चारनसियाकरवस्त्रकीतांकोतांमेवांध दोलाजंत्रकूप
होयपहर३नसुभरसमेसांध ३७ कांजीरसकुंवेडको
तेलत्रिफलकोकाथ चुनाजलमेपचेदीपागकेसा
ध ३८ काठअमलकेयोगसोधोयमलेमेडाल ठा
कहालरसकाठकेतांमेछोटसुकयले ३९ महिषमू
त्रसोसोचोटफिरगोलाकरसकवाय गोलाहोयसर
वसंपटवीचरषवाय ४० संपटकपरोटीकोरोगज
पुअंग्रांचहवाय स्वांगसीतकरतांहिसोतांको लेक
हवाय ४१ अजाकुग्धसोघरलकारगोलाहेसुकदा
य होयसेरपलासकीरजरेंडीमेपाय ४२ तांपरा
गोलाराषफिर चूनभसमपालास पायजुभुइहहडकोर
हहना घंमकवकाम ४३ भुलेपरधाहहडकानीचो
अग्रजराय तांहिपहिवेसीतकरभाजनअग्रजलाय
४४ स्वांगसीतहोजायजवतांकोलेनिकासाय ४४
कुंदपुष्पपरइंदसम धरमरहिनहरताल ४५ रमीरक
जनदीगीयेगडपुराणअनुपान चणाकरोटकाल
करणविनसठीपथ्य वषान ४६ दिनरकीसतक
षायपहिकहे षावेजाय यहिविधकरीयेजतन
सारहीयेवामवचाय ४७ स्वेतकुष्टतेअादलेस

नौ

लकुष्टकरघात वातरोग विसरप पुनरोग भगंदर
यात् ४८ खेरकाहांलोवरणीयेजांकेगुनयोप्रने
क चर्मकुष्टब्रणरोगहैहर यांनेरहेनपाक ४९ से
तकुष्ट ३ पा हडैवहेडुआवला सोंठ निसायमंग
३५ य वीपरलेभुजवायशुभ औषध कृष्णाय ॥
५० समतेडुग्नीस रतसोयहिमाजनवनाय तौ
नद्रिमेनिमपावाय ओादिनदसमे स्वतमिटाय भर
कीरलोरसमदेहपर छिड्डोडे पडजाये वाजमाटे
ज्वरकोकरे कहकुंद हैगदनाहि ५३ प्रजावया
नमे थी हटेमचेकलो चीलाय वलपृलभर
पुनदोयपलगंधशुंठकाय ५४ प्रद्रकारस
मेघोटकरगुटकारंकसोदोय प्रातसमे भसरा
कारे हे उउदरगदखाय ५६ उउ प्रस्पीपरवाय
केभोजनपथ्यकरा नैनिश्चवहिचानीओउप
उदरदेनसाय ५७ सर्सेबीजपवाउके हर्दीपर
मिलखाय कटकतेललोमहीयेरोगउदरदेन
साय ५८ इतिउदरदे रिदकंठमे दाहकेघाटे
काढुकार पत्रवचेनहि प्ररुचवे पनला
पित्तनिर्धार ५९ पलवलपातजानीमले उ
नकोरसकढवाय पहिरसपीकरे पम्लगद
जाय ६० त्रिफलाकायजा[illegible]जोयेपीओनिसि
यमिलाय प्रम्लपित्तगहनेको यहवरेचून
पाह ६१ पडल परेकंपनारेपकेकासनी

सनी आनीये पंद्रा पंद्रा तोले दो अबानीये सर्ब
तवर्द मुकरर तोले चार त्रर लेतुरंजवीति हसा
म तांते तो लकर ६२ रोगन लैबदाम रंक मेल
सत्तवाय अम्लपित्त रपित्त मद पित्र जर हिमि
टजाय ६३ इति सर्बत तबर्द चो० नातै सत्तगुल
व ममाय अधिसेर भर कजन कराय नवोहेर ज
ल मै औटाय रहे यु चतुर्थे रं शकुराबाय ६४ से
र एक भर खांड मिलाय सर्ब कैरो कमाम वानाय त
सर्बे तवर्द मुकरी नाम पित्र पित्र ज्वर औ भिरान
६५ इति सर्वत तर्वद मुकररः फूलगुलाव नफसा
कही अबर काहनी रनमे मही दो रदो रंक यहि
रंक यहिमान हानें बीस सपिस्ता ठान आल
वारा हालेपांच करपो भाय यहि भर्यो मन
व पाय पीये गुलकंद मिलाय अम्लपित्त औ पि
त गद जाय ६७ दो० वांसा फूल करंज दल वि
फलेको रसकाठ चूर्न प्राम्ले को मिले सात स
सुभगाठ ६८ फले स्मर पुन उडेर स माहि सा
त पुठ जान मिश्री युत हर पित्त कफ तें दंज स
अनूपान ६९ इति प्रम्ले पित्त अम्पराबस
मान लै मिश्री हाय समान कूट कूट गोली करो
एक कर्ष प्रमान ७० गोली एक जु खाई येप्र
म्ल पित्त जो नसाय आमवाम र्ख हात्रिय भमं
कै

हाय्निजाय ७२ श्रामराहपीउासहृत ननकंत नवद्य
मान फैलेब्रणस्तमदेहमेसोविसर्पगद जानू ७२
सैपानीमेचोय छूत नंकोलेपकराय मदेममा
हीकोकोगवसर्पनसाय ७३ वांसाऊमसरीहउउ
जाठपुहदीदाय चंदूनगारस्लायफ्वी यहिमी
३५ नामेलाय ७४ यहिदसांगलेपनकहोलेपूस
रघृतसाय विस्फोटब्रणसायविसर्पयहिहाय
७५ त्रिफलाकदू चिरायता वंदृपलवलपाता
वांसामेलयोक्वाथकरकेविसर्पगद घात ७६
घालबुखारेकोसरसर्व घोलडनाव मातका
लउठपीजीये रोगविसर्पनसाव ७७ प्रग्रजलेस
मदेहमेवकेफोडेफुटजाहि सोविस्फोटवयानीये
लेपदसांगकराह ७८ वांसानीमकिरायनपल
वलखैरगलोय वर्पटयहिसमकाथपीयज्वर
विस्फोटनसाय ७९ इतिविस्फोट वेमविस्फको
काथकर सीचेतनप्रडार केपीवेनवसीतल
करेमायहिनिधार ७८० इतिसीतला कोमलप
दमनयत्रले मिश्रीपांमेहाय बायमिटेगुदभ्रंश
गद पुराहथसोधोय इतिगुदाभ्रंश इंबलीते
लसनीरहदीयहि प्रथमपीये सहुरहसरीरक
ढेननमेसीतला ८८१ इतिश्रीसारसतनद्विज
धीजेरामकृतग्रंथे चतुर्थाध्या ४ ॥ ४ ॥

दोहा लोधमहावच आनकेमुखपरलेपकराय पिडका
योवनकीमिटे मुखसुंदह्वैजाय १ बालाओर प्रयंगलेचं
दह्कुंमसमान मगीवेरकीलीजीये मुखह्वैचंदसमान
२ अलिमुखरोग चौ० हुयपैसामर कथसाय वेसा
मरफटकडीवाय घेलामरमचालेतोल नीलाथो
थदमडीतोल कटिह्यर चुर्णकरवाय सैनलमेदां
तनमलवाय मुखनीचाकरलालवहाय फिर्वोका
छदंतछिद्रमैपाय नगविलजप्रसोबाय मोरादंतके
माहिरवाय दंतजोड्वैकरीअसैन मदंतपीडसोपावे
चैन ३ दंतहिलताको माथामणावायवडिंग नीम
का तत्रिकुराकरसंग गायमूत्रमेलकपिसाय गोली
नाममहुमुखनाहु ६ अथमुखपकेको दोहा वंसले
चनालायचीखेतकथमगवाय चुर्णमुखमेधरी
थमुखपाकमिटजाय ७ पानचंबेलीदावलेदाहे
हुपुनपाठ त्रिफलाप्रबर गलायलै अनकोलीजे
काड ८ सहितमेलयांकोथको मेलमुखमाहिरखाउ
अलायाहीकोकरोवहुपाकमिटजायरे फलगुलाब
अनकेलीजेलेउसमाक चुर्णकरमुखधरीयेवहु
पाकह्वैषाक १० कैवनफसाकेसिमाकलैकेम
लखतीलाय कथाजुकारअलीकरोवहुपाकमि
टजाय ११ अजिह्वापाक गेहूंमसीहिमकरो गोल
कतीराबीच अलेमकरजवजिह्वाकोकटकोपाव

मीच ११ वीहहानेकी छोलन्म्रावकरऊर्फो सीरापाय
वड़ घेरे ऊंलाकैरे जिन्ह जल गल गाभिर जाय १२॥
जिन्हासाथको रोग जोरु घ्रमोच्छ करवाय भिरयोभ
३६ स्वाद को ज्ञानपाकफसोधनवांरवाय १३ लरलवा
वगेहंभसेर सीराषिर्फो पाय ऊलीकरमषस्लप
भ्रूजिन्हसेथभिर जाय १४ लेजवारसऊदको तो
लाभरनि त्ताषाय लालम्रावनमषको हरै कैफल्ला
सबापाय १५ इति जिन्हा करणलालम्राव चौपरे
यं चर्टकमस्लकी लाय मगमरम्राधटंकमिलवा
य सन्नर टंकषंडफिपाय पुरानुदा ऊटवाय व
नाय लोयमासलेजोंदमंगाय श्राद्धाकेगुलाव
मंगाय सभऔषधगुलाबमेंदे एकरात्रमभर
भीजनले गोली चणकप्रमाणप्रमाणबंधाय
लीजे गोली गोली छाँतकाय गोलीएकमुषमे
धरे मुखदुर्गंध औकफको हरै १८ इति मुषदु
र्गंध पानतवेलीली जीयेपानविजौरालाय
जाठ्युबीलेपीपरे ग्रवरइलायचीपाय १९ य
हथनलेऊ जीकीजीये सहतसंग चटवाय किंन्नै
रपुनर्गंधवेसमसन्द्रसारकैमाय २० लीजेम्र
म्याबकथकर नौमैसहतमिलाय प्रातकालउठपी
जीये कंठरोग मिरजाय २१ लेत्तिमाक अनापुन
सिर्कातउशाबनार धायकंठऊलेकरे कंठगी
रकोटाल २२ अउलं आद्धकम्राहैतरतसाह

मगवाईये पांचसेर रसकाढ़ तहि औटाईये ॥ ईक
रहेज षांड मगले चारकि मामवनाईय २३ दोहा
सर्बंतूत वषानी येकारे वंगरसान मीरालेरि त
माककी तीमग मेकरपान २४ इतिसर्बतनूत
छैमिस्कालरुंज वारकोजु काबकराये तीनपाउ
ल खाय ग्रईग्रवशोष छुराये डारतीसमिस्का
लषांडकरीयेसुकमामा हरदेउरकोरोग सर्बर्त त
जबारजोनाम: २५ दोहा गंदस्यहरवरवरले
फूलग्रनारस्रसकीरे सर्बंमेलपिलायरक्तको त
त्ती हरे २६ इतिमुखरोगमाह: दोहा॥
पंईकरस, परनीमरस्रसहां ननापाइ मधुसे
बनस्रर तेलस्रुत पायकरोर जजाय २७ नीमपा
तरसका डीये के सूर्णन नारसलपाय तेलभिक्का
कानमे डरसंगभिरजाय २८ बुकनीडारोकानमे
समुद्रफेनको लपाय कानपीरतोनाहकाल्मेष्ता
समनपाय २९ मूलीरसकीहिंगवुनपीपरसजी
लपाय सोफकेरस्रनलगलतेमिकीचोगनापाह
३० इनदेतेलपकायकेकानमाहि उलवाय
कानपीरवाधीरता कानश्रावमिरजाय ३१ नीम
सरसकाढ़केसज्जीनांमेपाय करोआवपुनर
हरुजभिरकानजवपाय ३२ यहिदोषकीग्रधिम
कोनहीदारानिकसाय सोधकेमोदीजीयेका
न

नपो ऽमिरजाय ३३ महूयाजामनसांबवार २ नको
रसनिकसाय तेलय चापका नमेरा धका८ नमि
रजाय ३४ जुलजुलडो ल हांमनाउनकोर स
निकसाय त्रिकुट चून्युतकामे पायकूम
मिरजाय ३५ चौ॰ अपामार्गको कल्का वनाय
तेलति लीकाचौगनो पाय चार्ऊंगे की रजी
लाय तांको जललीजे कूणगाय ३६ नीम
लनेलनेचौ गनोवाइ मंरुभांचमम तेलपा
काय कर्णनादको देतनसाय ३७ ऊनिकणो
दधिखारीकोपान वार गुऽभरमचमिलाय
पीयेनयोपी नस्तहरै ख्यर कपारोगनसायं ३८ ले
कासैजीवस्रमे मलनाक सेयाय पीनसरोगनि
श्रुहरे अप्रनम्पान जाय ३९ छ्ये त्रिऊयभर त
कार्मी लीमकचीलेजोवाजानो आमलवेतनिंबूनि
चिता समरंकरं कभर आनो दारचीनी पनते
जकत इलाय चीसावे मासामाशभरयाडि
बंझ्रर कूसावे त्रिकुटा दिक चूर्णाको गुड पुरा ५
तनमेलीये गुटीषाय सेजतसम कफ पीनस
को हलीये ४० चौ॰ जैमासेवी हदारग हो र हो
टीस्ता चीमासेदाय दाचीनी मास भरका य
मासे चार मलठी साय दो ना लेमि श्रीमिलवा
र रनकोलीजि काय वनाय जोजकाम तर्दैते

प्राह मौंसंधव न रफामिलवाह ४२ ओजुकाम गर्भीने
लेषपर मोमेलो सर्बत नीलीफर तो लेदो सर्बत मिस
वाय पीयेजुकाम रोग मिटि जाय ४३ दो॰ तुरी भली कु
कुबोय जो लहे नाना नासा मांहि नवकफ सो धन की जी
येरे चन दे ताहि ४४ चौ॰ एलया एक टंक भर लाय ।।
मासा भर बंड्राय रगाय दाचीनी तज कोसम लाय त
गरहि ब काला रकड पाय ४५ महांगरम सकीयान
ख फूलसे नीनसोय पुर॰ प्रान यहि सभ औषध कार कूटा
य ॰आध आधा मासा पाय ४६ रोगनधीम जल मे पाय बना
य टिक्का कोली जे मूटी बनाय देके चन कर कोसे
घ यहि यहि सुघ गंध को बोधे ४७ दो॰ नाक राहज
ल पीजी ये नाम ले [illegible] नाक पाक के रोग को मिटे ह
होत प्रसंग ४८ [illegible] मिलवे [illegible] बेर को जो मोपिस
वाय माय लेपन कीजीये नाक तीर मिर जाय पी
य नास सो धम [illegible] जवायरग बुरहान को निमन
थवि पर्थ [illegible] धन सम को निमनिकासे [illegible] मगयको प॰
३ निकासन कः चौपई रसवन दाहे दे मंगवाय संधो
ज [illegible] जाम पाय जल सो उ [illegible] लेप कराय नयन
रोग [illegible] मिर जाय ५१ लोध [illegible] तमाहि मंगा
य कूट छारा पुट लोचन वाय से हर्द काय मले मि
जवाय नयन पीर मिर दे तन साय ५२ दोहा नीमप

नलेॱ॰ग्रांईये बुत्तक्षामजवनाय वांधकनकनोनयन
परनयनपीरमिटजाय ५२ ॰प्रउल जीरीकाहीरस
वतत्रिफलॱ॰ग्रानीये लोधफटकरीहर्दे अफीमनवषा
३८ नीये पीसपोटरीवारवार धरैनेनपर सहूहवे
जायनयनकीपीरहर ५३ हरेले इमली दसमासे
उयभरी ॰प्राधाॱ॰प्रधामासारेवतफटकडी रतीप
कॱ॰अफीमनलोगडुयप्यानपर ७टरीकारकेरनयन
कीपीरहर ५४ पीपरत्रिफलालोधलाषसैधाध
रै भंगरेरससों घोटघोटगोलीकरै वहगोलीकरऽधु
अनलगावेरोगहर तिमरकांचकंडुॱ॰अरफोलानास
कर ५५ ऽपपउवालाको चौ॰मचौगेरलौंगमंगा इ
रनकोलेजलमेपिसवांयं कांचउपारकरलेपकराय
देतरोगपडवालनसाय ५६ मोतीमूंगापाईसंष ॥
जिस्तसंगसिरीछैछेरंक ऊठदेन चाकसलाय ॥
काहीतेत्रेमासेपाय ५७ पीसंगकांसीयात्रपाय ॰प्रजा
हूघतोतोरवनाय ॰प्रंजनसवलवापकोहरे प
व्यहूघमानजोकरे ५८ श्रृगिसवलवाय सरससैा
फकोकाढकेतांमेसहितमिलाय नयनअंजनको
जीये निकुलप्रंधमिरजाय ५९ सुमाहदी दे
पले रसचंवेलीपाय नयनेअंजनदीजीयेनि

रापैधनिरु जाय श्तिरांधा धानवहेडकीमिगीचऊ
लेऊ प्रपीस त्रियाहू धसे मंजीये हगकोलाके षीज ६१
ऊपः पीपर ग्रभ ऊष्ठ मचैवच मनिसलजीले तगराय
पुननिगीवहेडकीपि दीजे भजाहू घसे पीस चोटगोली
बंधवावे हगअंजनकरनाहिपटलप्ररबूदगदमवै ग
धकमास्कंडूतिमररात्रंधानिश्चेहरे हरैपुष्पदायव
ठेकोमासप्रकअंजनकरे ६२ अडल सीसा सडू एकसे
सामरलेके पच्चलावे जलहूपीजवहायतलपा देनि
लवावे पादेजवमिलजायभसमऊपरडबावे सर्माल
डकरायतला सिलेकपावे डूमाशे नृक सबले सलकरू
डूचूर्णकरे सकनयनकेरोगहरतिमरसोदाहेहरै
६२ मोतीप्रनविधप्रकमिस्कास्यमगावो तोलडढमिस्क
लममीरा प्राङ्गसावे हरररमनीलेदायमिस्कालेसर
कसरलेंगप्राधमिस्कालेडाले मृगमदमासायकासरस
लापीस प्रंजनकरे हरैहगनकेरोगसभतिमरसंसाह
रे ६३ त्रिफलचूर्णकरीशेमधुघृतसोचाटीये त्रिफ
लानीरसोधोहगतिमरनयनगदकाटीये ६४ अडल
त्रिफलकाथगोदधघीउमिलाईये त्रिफलाकाथकर
कलककजुतामेपाईये विधसेघीपकायकेमक्षणकी
जीये तिमररोगहृगरोगसकहरदीजीये ६४ दोहा
बांसाशोठचिरायता दारहदे युगलाय रातोचंदइंद्रज
वचीताकडूजोहोय ६५ त्रिफलकाथपटोललेमो
थ भरजेअपान इनकोक्वथपलाईये नयनरोगगदहान

६७ नयनरोगकरयच्याही साधनकोकरवाय पाछैजो
वधदीजीये यांविध चसमगरजाय ६७ अतिनयनरोग
मूलनसील रुजवायकी दाहपि मलयपीड जडता
सिरकफसिंध्यया सभगनउमलवीर ६८ चो॰ फूलप
वरएंडजडलावे कांजीमेतीधीमलगावे केसूच
कंदफूललेवावे नैनवातसिपीडनसावे ६९ रागन
लैवेदामकोमर्दनसबकराय वातेभागे जोमईसिरा
वर्तेमिटजाय ७० आठटंकअफीमलाय अर्द्धसेर
जललेउनराय दोलाजंत्रविधानविनाय आध
सेर जलमेडारय ७१ मलपुरीकोलोइछनायस
रसटंकरवं उमिलवाय तांकोलेकिमासवनाय सर्वे
तैअफतीमलयहिलाय ७२ मबेनलीजतालेदाय छै
वसाभर पानी होइ घोलयाहीकोआतपलाय
वातपीडसिकैमिटजाय ७३ बालरोगमलसंच
नरोय नवसाधनकरताकोषोड ७४ चोपई रेन
उलपहम अफतीमलाय विसफोडजपुनयामेप
रै मासामासाभरयहिलाय रतीछैईइरागिपाय
७५ तडैकवलीप्रमथाप्रान त्रिवीआरपलयाजा
न दोइदायमासेभरयलिलाय मलकूर चरगकर
वाय मासादुढगारीकूनलाय वालाकीहंगीछ
णवाय जलरातसंबारकराय दिनकोलीजेयु
टीचनाय ७७ गोलीयकप्रातउठखाय हीयोव
वेरेचसर्वबनाय दोहा नसचंदकमलपुनआ

ठयुवालउशीर हृधसंगलेपनकीरै रक्तपितसिर
पीड ७८ चौ॰ चंदनआधोटंकमंगाय धनीयेरस
मांहेघुटाय तांसोलीजेबस्त्रभिजाय सीसध
रेसिरपीडमिटाय ७९ दो॰ सातबेरजलधोय
घृतसमभमर्दै सीसकराय भईपित्तनेसिरपीडपा
निसोदेतमजाय ८० ऽथसबेनारंजऽधसीटं
कषांडकोस्याय तांकोलेयोकमामकराय॥—
रसनारंजीकोनिकसाय बीसटंकपितामेपा
य ८१ योशदेत्रैताहिदिवाय सर्बतराषासी
सपाय यहिसबतनारंजबताय त्रिपीडसिर
श्रमनसाय ८२ ऽआधपाउजलछोलीयेसबे
ततोलेच्यार यहिविधसोजलपीजीयेहैहैचा
धऽपपार ८३ चौ॰ऽपालसाहपुनऽपालबुषा
र सापिलादानेतीलतिघोराऽपालपदेगुस
दहदाने इंद्रलीद्राक्षदिसेंभ्राते ८४ बीसदिमे
तरंजवीकाय लेऽघंडसेतरशदिमालाय
सबेराषराषीभैंवाय प्रातकाललीजेकृमणा
वाय ८५ हैमासेनिसायऽगाय सायंकालगतां
करधराय भीष्मगभेकरनाहिपिलाय पित्तरोग
हगरोगमिटजाय ८६ इतिपितपीडा सोहा पर
डबचऽपरास्नाभोयाजबविधार तामनीरसो
लेपीयेकफसिरपीडाडार ८७ ऽथनास पीपर
सघोसोंठवचउडरनमांहिमिलाय पीसनी

रको नास दे सीतरोग मिट जाय ८८ नाककानह
न नयन गद पित्तरोग मुषभंग मुजरोग जलरोग ये या
तिन को मिट प्रसंग ८९ अपरोग नऊल एक करवरा घर
४० धीपरे तऊ अपकौ मनिधार त्रै त्रै टंक अजुली जीये ऊठ
टंक लेचर ९० आमव बकार कोदाप हमको काथ वन
य तेलतिलोका तोहि मैं विधतालेह पकाय ९१ रोग
नऊलये नाम यहि मर्दसीत कराय सीसपीडकपूकी
हरेनि हे लकाले जाय ९२ सोंक लेऊ मंगायके ता
को काथ कराय मेलपीऊ गुलकंद सो कफ सिरपीडा
जाय इति कफ ९३ चौ० अफतीमूपोटरीयाके रे
जंगीहडे मुषमपाधरे पांच पांच दिर्म कहियात लै
सनायको दिर्म सात विसफाय ज जाठऊ मंगाय सो
फदिर्म होय दाय समपाय उलव हस्स स्पाकसं प्रा
न पित्तपाय डाकालि जुबान ९५ वादरंगबोयानी
लोपर वनफसाप्सम दिर्म ये त्रै भर हपिला एव
रमनका ताष मोसतालदाने यहि भाव ९६ फल
गुलाब दिर्म चौ लाय तोन पाउ जलमे ओटाऊ ॥
थउर हे जल लेछलवाय इमदिर्म गुलकंमिला २
य पंद्रादिर्म मुरंजवी लाय रोगनवैदामरंव
भरवाय कनथूरकफ माते हरे अले पित्तको
हरयेकोर इति मतिपर्व अफतीमू सिरवके
की पित्त जलानको अथ आवी पलवासनीज

या

हैंकावली॰स्वालाय वहेडअसवओवरैपाय ध
नी॰सहालेऊ भुजाय पांचपं वृदिमेंसभलाय
९९ उयनीसहतमजनवनाय टंकरोयभर निकस
बाय नातोजलऊप्रपीऊवीर हेरै धामकाकवी
धीर १०० उर्क्रफ़्रांगदकोनरहाय ॰घामकाजीरा
रोगनसाय ॰उश्रीफलकस्नीजीआन कौरेउदर्घ
डाकीहान १०१ ॰पुष्पशिरोवर्त्तलछारण मगअभ
घोहेधारेजाह वालकहितसिवोलनांहि तो
लामरनित्यत्रिउठवाय नोसदा रैपुनदीघाव
लाय १०२ रस्भवलवेंद दहटांकषांड मंगाईयेअ
र पोनपावजलडार निंबूरसद्रुकटांकभर लेतांहि
सोनिधार मेलागुलावपुककेभर सभघोलकरी
सुपान कफपित्तसिरपीडधेलेऔवकीसोजानस
१०३ पुत्र[illegible]पाधीपरे ॥ रुधरकोयसिपीड
पैलेपनकरोपुतोत ॰पतिदोषसिरोवर्तको
ऊठकबीकायफलपरंडकीजडडार ॰प्रकारकेरा
पुनमिलकेपीतनजल सौघाल पुनमधेप्रभा
धीपरे यहिलेपकांजीसंग त्रिदोषकीसिरपीड सो
करएकदिनमेंभंग १०४ रोहा ऊठमोठपुदेवदा
रुवचपीपरैपिसवाय पहिले पकरकांजी स
हतसिर॰पर्वपीडनसाय १०५ ब्रनसेंघोपीस

म

कै उठ प्रात लीजे नास यहि ग्रडु तिंद्री डाहरै भाषो ग्रंथ
प्रकास १०६ दोहा अथ टटरी रोग बडी कठाई को सुर
सता सो शुंजापी ग्रस ३ ईद्रलुप्त पर लेपीये रोग टटरी की
६१ म १०७ हस्तदंत की भस्म कर वीछर सौं ले मिलाय अजा दु
ग्ध सो लेपकार रोग टटरी जाय १०८ बातरत्न पीडा सिर की
उपाय घृतसौं मसरमूज के षंड मेल देना ए बातरत्न
सिर मे षगर रजन को रोम बनास १०९ अथ तेल एरंड
मूल तगर रास्ना सौंफ सोंठ भंगरा लावै सेंधव लोन व
५ डिंगसुलठी डोडी यहि सम करि वनावै अजा दूध मं
गरा रस सौ तेल तिला को मांहि पकावै पललपत
काचहरै सीसाग दन्त लिंद है नास दिवावै ११० अथ व
शवधन को फूल तिलो केगो षरू दोनो लेसमान म
धघृत सो सिर लेपकार होय केश लबान १११ अथ कल्प
त्रिफला शाल अनार की लोह चूर्न भिस मान पंच पंच
पल लीजीये चूर्न करो सुजान भंगरा के रस संग है
कै भीतर षाय लोहपात्र मे डार सम भूमि मध्य दवा
यं मास एक बाद फिर काढ तांहि सुजान अजा दूध
सौं लेपकर बांध दरंड के पान रात सकल लेपन रहे प्रा
त करो इश्नान यहि विध दिन तीन मे कच कल्प होय
सुजान ११२ चौपई षटएक अनार मंगाय टोपी
कर छिद्र बनाय पादतां वैवीच डलाय जब ते
ब सूबै रहे सम काय फिर टोपी सो ले मुद वाय मास
एक गेहूं दव फिर वहपाई को निकसाय मेलषु

वाय

तेलछेटवनवाय यहि फुलेलवालो परलाय अमर्ते
लसमकचवैमांहि यहि फुलेलउनंतजांत पार म
तादमतकालोवषान ११४ अतिछी सारसुतद्विज
धीजेराम कृतेग्रंथे नामपंचमोऽध्याय ॥ अथप्रद
ररोगलक्षण योनिद्वारलोहू चलै प्रदरकहत हैं तांसि
॥ अंगमर्दन भावे रसा तनलेसताप नसाहि १ चौल
ईर लकाढकेरसवत सहितमिलाय चावर धोयमिला
यकर पीये प्रदरमिटजाय २ रसवन्त और चिरायतो वे
दारुहल्दी पुनलाय सोपारा मुलौ विजैसार वां ताको
षवनाय सीतलकरके कथको पीये सहित सो ढारि
प्रदर हरै पीरा लहत स्वेत पीत अरु लाल ४ इंद्रवाल
पानी ये गजकेसर तवासीर तंदुलजलसो लेपभग
हरै प्रदरकीपीर ५ कातीछपै: कंवलगट्टाकेनला
यचौंननिर्घोर लीजो वायविडंग सरीहको पुन नागकेसर जाय
डार जलसंग वाती टंकेदोइ कट योन मैं रषवाय। फल
सभयो नदोषनको हरे कर ह्रध भातषवाय ६ को
त्रिफला मजीठ कूठ मरोजाठपुषरहदी हिंगुलाजमो
दा अमलतांस हरदी लीजीये मूलमिर्चबांका धायफू ३२
लकडू कंवल चंदन होय ऊमदन दषकं को लीदीजी
ये चोरचार सेर गांय दूध उसनावर सर सेर घृत
कर्षकर्ष द हूमिलीजीजीये विधसो पचायष
यफल नामा घृत यहि पुष्ट बलवीर्य निररोग तन

५२
चिकि
त्सासार

कीजीये ६ हरेयोनिकेसजागरयोमत्यत्सानार दीर्घे
वेसपुनज्ञानयुतनंद्रयनेअपार इतिप्रदरसार तिल
कोरकोकाथकरसीतलाकरगुडडार ह्रुसेयोरजतीयन
कोफेरहोइतत्कार इतिपुष्योत्पत्तिः ८ गजकेसरषा
यत्रियागीयदूधअनुपान दूधभातभोजकरेगर्भ
होयतिसयान मर्चेकराईसोंठगजकेसरपीपरल्याय
गोघृतसोपीयेत्रियातिमैगर्भरहिजाय ९ इतिगर्भ
स्थिति अडूस गेरूप्रतालीसकपेय कमरप्रानी
ये सीतलजलसापीसतांकोलेऊतारकर पीयेनार
जेकोयचौथेदिनअन्याकर गर्भनातांकोहोयजवल
गवहिनारीजीये इतिगर्भनष्ट शालपरंडकीलायपी
सलेपकरयोनमे पीरउदरकीजायहोयप्रसूतनत्का
लही ११ इतिकष्टीको अंगदहेगगोत्रतासोयभर
लअमीसार ज्वरत्रिमाललगएयहैवायप्रसूतानार
उपाय देवदारमोयाधनाअम्बाकोंठपतील वचप
रपटकोक्वाथकरकेप्रसूतनारपीवे पीपरपीपरामू
लसोंठयवायसअजान जीरेदायहरीपुगमसोंच
रचावचपान पुनविडलोनमलायकेकांजीमलिप
चाय आंबवायुवायपेनरुजहरेप्रसूतावाय इति
वज्रकाजकं आटरुकाभरसेंकगांयदूतआठरुका
भर सेरदायगोदूधमलअवलेकर अथषप्र
मेलवजरऊेवांधिजेमिलावे अजवायणचीता
नवकजीरामोथकलोंजीयावे रुकाभरसलाय

टकाटकाभरसमस्तलेयहितिसोधश्रेष्टकाभर लोंगमाय फ
लकेसरजत्तवत्रीपुनट्टारधर सूट छाणकरकर्षभरयहिसम
निद्धोरो तीनटकाभरसारबंसलोचनश्कायलभर ताहिमा
क्षियहिडारसलेताकीतरतीबकर ॰प्रामकातमंदागुहरेरह
रैश्लुतवाउहन योनिश्सूलकोदृष्टकरैवलवंतीहोयना
रयुन इतिशस्तवाय २१ स्वनयुद्धचोसेरभर तांकीरास
कराय नेलतिलोकालेरहतांकीरास कराय २३ यतालयं
त्रकरलीयेतांकोतेलसरंग कुयरत्रीऊचमर्दीयेऊवसी
नलताभंग २४ ॰याघरेतीमरमर्दीयेलोयद्देहंकोचप्रभंग
२५ दोहा कुटरीकरकेभंगकीयोनमाहिरखवाय ॰प्रथक
राखोमोचरसभगसंकोचव्हेजाय २६ इतिसंकोचनभग
॰याद त्र्यति विदिनतेप्यादिलेसोलादिनप्रयंत मंदस्ता
यलसोनासले ऊचकठोरतानंत २७ इतिऊचकठन दो
टंकदोयहतालकुयरंकछाकोरास संबचूनलैरंकद्वै
तांकेभीतरडार केलेदंडपुनतीहदलरससेमेपुठदवाय मा
तलेपयांकेकरैरोमहूरव्हेजाय २९ इतिरोमहर्कण घीऊ
वाहेदीप्रवरदोनोतप्रकाराय वोधऊचोकोसोयप्रसाय
परलोपपीरमिटजाय ३० इतिऊचसाय इतिस्त्रीरोग ॥
वाघडीछंद बालककववानीयेतीनभांतश्कदूधपीतश्क
॰प्रन्नखात १क दूधिपीतश्कर्पन्नखात १कप्रन्नखा
तश्कदूधपीत सनवैद्यप्रादयहिकोतीत जववाल
दूधहीकरतपान तवमांयपातऊोषधसमाटैन जव
बालककेवल प्रन्नखात तवबालकांऊोषधिषवात
जवदूधपीतप्ररप्रन्नखात तववालखायप्रपनालमात
तांभांतऊोषधिकारसयान योंविधनाहूदेहेदूपपान

मुलठीहर्देलोधप्रयंग कलककेराढनेऔषधसंग भून
४३ नैलपचायलगाय वालनाभयांकाभिटजाय ३१ तें
धोघृतनमधु हर्ड मिलाय धीसप्राकेजीबलगाय
नुनेभयोतिसहृधनापीये नेववहिपीयेयत्नपरि
कीये ३२ पीपरकीलेकलमजाय जलसोंताकोपी
सवनाय घोवालकमुषपाकोहाय यहिलेपनकतें
कोषाय ३३ दोहा होयकटाईफलनकेरतवेनिकला
य पांचकोलयुत्तचाटैतेनवबालकज्वरजाय ३४ का
कडुसिंङीपीपरै मायपतीसतधार लिसचाटैमधुसों
हरैज्वरवांसीअतिसार ३५ काकडुसिंङिपीपरैपुष्कर
मूलपतीस मधुसोचाटैवालजवहलकपांसवैधीस
३६ चौपई वंसलोचनमधुसोषाय वालकासस्वास
मिटजाय कटूसहितसोंवालकचाटै हिचकीअवरथ
ईगदकाटै ३६ संधोपीपरमचैलाय मिश्रीमलसा
कपिसकाय सहतसंगजबबालकचाटै मुखरोगकी
पीडाकाटै ३७ अपमेऔषध घोकहिवडे ननेकेरोग।
पर बहीऔषधिवालकौलघुमात्रादेसयानेनर
३८ चौ॰ वमुलेरअसाधमिलाय तंकोलीजैकोपप
कराय आठसेरहृधमिलाय एकसेरघृतमाहिप
चाय ३९ सिद्धभयेघृतलेउतार असांधघृत
यहिनिर्धार नितप्रतिवालयहिघृतषावे पुष्टक
रैवलअधिवढावै ४० इतिदकुरः ५४॥ वीठवलातु
अरमोरयद पुनछागरामवुधवंत मर्चहिंडगाक
पालवीजसर्षपऊंचगजदंत नीमपातकटाईफल ४३
घृतसोलेलघुमकरवाय वालकग्रहपुनिभूत

ज्वर

अनदेनपिसाचनसाइ इतिबालकरोग ४० चचेरीद्द द
लीजीये जैपाल तांकीमिंगी लेहनिकारी कौ निंबूरसकी
भावना दे एकवीरसधार कैपिर्तनकतनकबनायगा
लीयाम मणिहरकाधरै अंजनकरै नरयुकमै गोलीसर्प
कोविषहरै ४२ घृतमधमाखनत्रिकटपुनसेंधालौन
मिलाय खायेसर्पकीविषहरैऔषधदीयोबताय ४१
दोहा सर्प जैपालकोग्यानवोमादहै तोल जलसेघस
लेपनकरैबिछूविषकोटल ४३ इतिविछू सेंधोसो
चरवचेपुनसोंठपानमसडार लेपकरैनतुनहीबरीवि
षसंघार ४४ इतिबरीविष मनसिलगेरुदोयहरदे लेप
करोसुधार कानखजूरेकीयुविषनतुनहूकडार ४५
कायकरैजलवेनकोपीपानपवरजडस्याय सीतलक
कैपिवतहीकूकर्विषमिटजाय ४६ गजकेसरहेदी
पुग्मलमजीठपतंग लेपनकरजलसीनसें मकरीवि
षकरभंग ४७ चौपई० जुत्पानहिलीजेबलगार ज
रविधिनवीलनवीलवचार मनावोलमरकजुरनाय
समतिदुगसीसरनर्भगय ४८ नांकोलेइकिमामब
नाय वारमजूतनऔषधमलनाया एकमिश्रालता
नेजलसंग खायसकजंतविषभंग ४९ इतिजंतविष
घृतमसेंधोमर्चपुनभीमपानपिसवाय कहियेजोवि
षमांतहै स्पाखरयंगमजाय ५० चौ० गुगलमाषत
मजुहाविलगार खवरईसाभनसधार बीतन व
कचिकौनकरवाय रोगनवेदमसोचर्वकाराय मि
स्कालपककेपोमधसैखाय विषखाईकरबवनेन

अथ उग्रविषषाईनहिपैहोय तवतांकोइदिनहीहोइ ५२ अतिविषदोहा नीलाथोथाबचलैटकएकसहौ समान भागदायविषमेलकरचूर्णकरजुसुजाने ५३ छोटोरबिंदलसेगोलीटंकप्रमाण षायहलै विषकोहरैपुर्षमनअनुपान ५४ इविकत्रपाना रसविषको इतिश्रीसारस्वतनिजधीजेराविषेतेचकित्सासारेषंचमाध्याय ५ अथवाजीकरण लेसतावरमेसलीकोचबीजमिलवाय तालमषाणागोषरूडोरगंगेरणषाय २ चूर्णकरैनकोपीयेहूधिसेंकोर नरचूर्णप्रभावतेपुष्टवीजेबलदाय २ सोरठः कंदविदारिलायमासीअवरवलेवीजपुन येमधघृतसोंषायनारीरमेऊलिंगवत ३ लैसतावरसेरभरचारसेरघृतिपानछेतसेरसगुनदूधसुभषायाकीरसेंमयान ४ मधुअवरसितामिलायकेपलभरचरबयोहोय ॥ पुष्टवीर्यवलकर्णकोयांसमअवरनाकोय ५ प्रदालउर्दकीअपवातालेंषाणालीजे अथवा लीजेकोचबीजकिउटंकणदीजे चूर्णघृतहूधसंगयहिदीरपकावै सिंगाडारकेषायपुष्टवलवीर्यवधावै कैहतुंगसमशीघ्रतास्वइहरूप पूर्नंगसम ॥ सेरमासंगकरैक्रीडाकरतऊलगजिम ६ अंडछागकेआनदूधमैसिद्धकरावै नवगलजैवेउदरचनकेसंगरलावै वटकाकरसुकवायवामघृतमा

हत लावै उदर सरक षाय पुष्ट बलवीर्य्य बधावै ति
न्हरलवावरे रप लभुनसैं धोमेल हुतल बहुतर मास
गमकरे वढै पुष्ट बल वीर्य्य बल ७ इति बाजीकरण ९
सारहि का प्रमान गाय लेधरे चार सेर गो दूध उरधा
याकरे पाउ सेर रखितमा हम जकर लीजीये पते औष
धओर लौंह मेरी जीये सोंठ मच पीपर अजमा दाषैर
ले लोंग हार जातीफल औरकपूर्ले समुंदसोषदा
यजीरे हदी षावैरे पलाउ अकरकरा मुवहेडे ल्यावैरे
प्रभ्रक प्र चीरम्के नयात्रप त्रीमसही केसर भुनञ्जिसोध
कषेडूयडू ययही बायावेत मडे औषध सबन्ह मिलाईये
औषध बोया दोनो को तुलवाईये सम्मत पाधी विजी
या सजमिलाईये सम्बसम लेषांड पाक बनवाईये
औषध पर कसार मलकलरी सब देषसमा बलउग्र ता
हि को वर्वरे एकरहू समदे स्वीर्य्यवंधजपुन बायु
जाय रूपाक यसेगुन वेयसहन इति गोषरूपाक ८ वै
प्राथसेर असंध मंगाय दूध चतुर्गुन माहि पचाय ३
तको जब षायावे जाय शर्द्ध सेर घृत माहि पचाय ४
त्रिकुटा मिसांधपुष्कर मूल जीरा औ अजमोद कचूर
पीपर्मूल लजवाय एलाजान हऊवेर सतावर स्यान १०
और गाषरू सोंफ मंगाय तांबा सीसा मार भी पाय पल
पल भर सब औषध भाष पाउ सेर ले तिलउर माषा
अठ सेर ले षांड मंगाय तांको काड पाक बनवाय औष
धओर वासार मिलाय गोली कर बलदे षवाय १२ गु
ल्म प्रमेह प्रस्वास काम हीया गद प्रमेह विनाश गु
ल्म प्र पर उदर पीड़ा सोज हरे वाउ गद कैर मनो आ

टूटे हाड बंधकोरोग २३ मेटे संन्निपातको सोग बैठके
मकामनी अनुराग पावै असगंधको पाक २४ अति
असगंधपाक ॥ छपै ॥ असगंध सेर लेके चबीज चूर्ण करवावो
दूध सेर दसमांहि ताहि षोया करवावो ॥ पुनि सेर घृतमांहि
भूंजतांको धरवावो पुनजीरा अजमोद कलौंजी पीपर ला
वो जातीफल जलवत्री अकरकरा पुनि लवंग पुन गजकेस
र कंकोल लेत्रिकुटा त्रिजात मयंगपुन समुंदसोष यहि पै
४५ सावै साम्हर यहि लीजै डारसेर भर षांड पाक तांको करदीजै
यहिहै पाक रसायन फल भरनिन षावै मेंहदी गनना मन्त्रा
कि है असम्मरी न सावै रक्तपित्त अरु बाय गदनुलम्र्स लह
रलुधाकार हरै प्रस्तावा यपुन करै काम षंड नहर २५ र
त्रिकोचपाक ॥ पाउ सेर लपरी लाय कूट कपडछान
करवाय दूध अढाई सेर मिलाय मंद आंच षोया करवा
चा य गोघृत टकाभर डार भूंजता है मैं कर ऊपर सार षांड
अढाई सेर मंगाय सेर आवे को रसपाय सेर सतावर स्तुर
समिलाय तांको लेकि मांभ वलाय पवका मजुगा दै
दै जाय यहि कसार तामैं मिलवाय मेत्या चंद और दोय त्रि
कुटा औ त्रिसांध जो होय मिरगी पर की धनीयाले डार वं
सलोचना या कल लौंगार और हिदा डुलभ मंगाय टका
टका भरसक पीसाय यह समपाक माहि मिलाय तांकी ले
कनरी वनाय षाय पुंगपाक प्रमान करै अजीरण ज्वर को
षान सकल देत प्रमेह नलाय अम्लपित्त पित्त गद जाय
आवका न मुषनासष्ठर लोहूत निकसनदेवडारा मं
दग्नि हर पुष्ट बढाय त्रिया कौन निष्ठो भैं गोरषाय दू
टो षाय सहे नज्वान संदूप गतंगोरमान करैवी
र्यबल अधिक बढाय पुंगपाक गुनक है ना जाय।

इति मूसलीपाक लोहा पाउ सेर लेय मूसली चूर्ण करवा पाय
आठ सेर गोदूध मैं औटाय पाक कराय चार टका भर घी
उमें कर कसार नि हुवार षांड सेर दुय पाक कर तामैं डार कसा
र कौंच बीच तज मूसली आकरकरा जु लवंग जावीफ
ल जल वत्री माल कंगुनी समग तवक्षीर केसर गोषरू
चव कसला वर यान विलायची सकल पुन ने ऊ जे गिरि
वषान पल पल भर सभै औषधै गंध पंच पल जान त्रि
फला सौ त्रिसांध पुन त्रै त्रै पल प्रमान सब कूटि मेल
करली जे पाक सुधार षाय मूसली पाक यहि का ने रोग
संघार जरे मेह वीर्य बढै षाय युवा को राज रमा रमै
कवे सं रूपमनोज ११ इति मूसली पाक छंद चार से
र ले दूध छुहारे प्राधि सेर तामें औटावे प्राधि सेर पुनरे
घृत सो याहि षाया सकल करावे ते अयान लौंग जावत्री
जाती फल पुन केसर पावो कंदविदारी और सीवरी आव
लांवस लोचन नास पावो सार वंग गहिला पुन अभ्रक पा
ठ पुष्कर कंकोली कहि टका टका भर लेय सभै औषध कूट
छाणि कैर चूर्ण सुकही सेर षांड भर लेके पाक करता
मै औषध डार यहि यव मिलजाय ता सार औषध ना
म छुहारा पाक कहि सो पित्त पुन वात नरन गद रोग मे
ह सब सो हरे है रे पित्त के सब रोग जि मूसल यौस कोन
हू के रे कर मिलाय भाजन तषा प पाक को वट पुष्ट वल
वीर्य अपर यौवन माली रूप सुहा लागै नारि सेम न मार
मैं रै १२ इति छुहारा पाक लैके कूष्मांड वर पक्की ले औटा
दूध करावो षाय चलो कूष्मांड रस डार सतां हव चावो
मंद पांच पां चगाल जायत वे पीठी वनावो सोत

टांग्रमान घीउ लों नाहन्यावे पांचो मिश्री सरसते
नांको कहा पाकवनायो नांमै कस्तूरपुनमेलीयो
मेलकहा ऊ पधसो सो प्रब त्रिकुटा त्रिफचनुजा
तनालीसतत्तावर तालमषाणगोषरू सोधकं
को लधर संधा सेमलढाल सूसली ताहिमिलावो कं
दवदारी सतावरिजइनमे पावो जातीफल जलव जीके
सर३ नमेलीजीये सारहि सारहिमा तेऊौष सो
मिलीजीये पलभरप्रभुकेऊौष धीमयनकेरवाया
कमे टकाटकामर कुटीकरपायमालप्रमुरागमे ॥
मेस्वपित्तमंदाग्निपांडुप्रमेहनसावे रक्तपित्तज्वरहुपिला
हरवीर्यवदावे प्रमीवर्षकोबुवपायपिने तनहो
वे बढ़े कांतिपदिपवल जराअवस्था पावे गुरा उपं
गपरैनहीवढ़ अनंगमदेहमे पावै ईपाकजेवना
रीजीतेदेहमे इ इतिमूषलीपाक प्रधाव्रप
कप्रांबके रसनिकसावो षांडचतुर्गुनमेलषांडसम
पानीपावो रसतेप्राधीघीऊ प्राठवोमासो ठधर
मर्चसोंठते प्राधमर्च प्रधीपीपर सकडारम दपा
त्रमेलोहकडक्षविचपेरीये मंदप्रांचपचवलेहकर
यहिऊौषधीफिरजेरीये मायाधनीया तेजपातता
तज लीसत्रिकुटधेरै जीरापीपरमूलदारचीनी सुपत्र
न सवऊौपधीमेल सायोफरपाकसीतजब प्रर्ध
सेरपिरसहतडार करीहिपिंड सलतब पीवपाव
भांकोकीहिपचीकिकनेपात्रमे पलभरभेजनप
रहिपाय चिकनेदेगात्रमे हरैरोगसबसकास
श्रीहाज्वरपीनस हरयैरोगतमजमकफप्न

पिंडजाय नस कमलपांड अहकं डू पुमहीयागद, अरशप्र
कारासीसपीड पुनजायदव बायनास मनपुत्रनीद्दी
घेपुवलवीर्यपुन, रायुनमन पुनज्ञानपुन सेरे
उपजेनांलिखने. बायजकुठीनार नलोके संतनजा
वे बंध्यानारी बायपुत्र जन्मन सबपावे बायजब
ढपुवेननलोहेनायननाहुन गजवलवैगनमनेय
गिरगुनमनोविचसरा बायप्रांबकोपाकयहिसल
दहकोरोगहर पमैरागमेअनुरागयुतसोनारीसंग भेग
कर.१४ इतिप्रांबपाको वेयचोबचीनी दंआहमिसा
ललीजे छडलचुपलेदिमेतीनतीनजानीजे मतीप्र
रमंहगलवंगदरचीनीपीपमिस्कालदेय दोयभाग्या सोंठ
नीये अंदवदसनेगर, पकनीम पुनेरं वद मिस्का
लतीनतीनयहिवपानीये मसकी, पगर मोच्या स
तरमुकऊंग्र, पंबूसभेदोयदोय मिस्याल कूटछ
नीये गाजमेलीसलाम इनकेबीजमुतनअपुन
मंवीसमनस पसपेदनोदरीजदेसपसन माको
जोयरतीननीनमिस्कालसकयहिजानीये जायप
लयलवत्रीदसदस मिकाल कूट छानीये सेदबेन
कवीं ओके पके चरीकही त्रैत्रैदिमगाय दसदिमस
काकललेसही बोजीदासरंजा सलजा मोयादे
कूठसदाब, पमांधकवावदीनीदे दोयदिमेले
सबकूट, पसछानीये पकठोरे रषवावेगांऊगे
वापरबादरंजबोयापा किलावे फूलगुलावमिस
यपुनपवरपिलरा, पानीये २नडोबघकेकाय
कपइरहनेछुनीये पीरेबिफोअवरकामनीस
रजा २नबीजमनदसदसमिस्काल मंगावे २न

कोसीतकाढ़तांहवाढ़मैंपावे सैमिस्कालगुलाबअधि
कपुनताहेमिलावे अतसेवसीरीअवर लेअनारसी
लरस आंबवीहसीरीतहक पीहैसो सैमिस्कालदस
समझेओषधतेत्रिगुणी मधयामिश्रोडारो सक्कारसनअ
रकाढ़मीहिकमामसवारो अथमकटजोधृरे सक्लेऊ।
षधमिलवावो मिडहोयमाजूनवडमैंवेयहिपावो
मगयवदम,प्रवोटमगयलेकुपुन मगयफिदक — कोटू
यहिडारदसदसमिस्कालयुलेकुसन केसरषले
गुलावमाहिनीमैंडलवावो यहिमजूनचोबचीनी
कासनमेंपावो कबेलकभरनिसप्रनयहिमजूनया
पावे ऊपरोवरीचहैवदूवलसोंअधिकावे मगयजि
गरदिलवढ़वलगुनयाहिसुन नयनेयानप्रगुर
मगयत्रिपलवढ़तपुन शीतिचोबचीनीमजूना
वलभरवढ़पहिकेनदुग्धदोसेरपचावे जववो
याहेजायनवओषधयहिपावे जातीफलअर
चतुऔनजलवत्रीसैरलावे चंदनकलंककोल
लवंगअकारकर कबेकूवभरउरजवबांडआ
ढवलकर उपडुयमामेडारमगमदअरकपूवर
यांबीगोलीकरेषवलादि निशाकोषावे मंदरोग
मिरजायलिंगहढ़ताअधिकावे पांडुकासददोषो
षामसूलरुजाहरेमेहतमम वीर्यस्थंभनहोय
कारेजवनारीसंगम पुष्टकरेवलकोधरे समदे
देवनसेवनकह्यो मोदकअनंगमेवलो यहि
सिवनिजमुषसोंउचरयो इतिअनंगमेवला — के

रवीनीयानीक लऔ ऊवाब चीनीवर सालवद्मरी
मरीलसंगकबंभर सब्कहट करघां इपाउभरतिनमेवाबे
दूधसेरभरडारघहिपायावनवावे जवषायावनजायोवे
रभरगोलीकीजे गुटीषाय्येयिदूधकोवीर्यस्थंभनको
करे २६ इतिवीर्यस्थंभन ह्य: वनकनवकपलप्क
साठवलणर्दलीजे गंधकसेपलसेसारसिसभस्कीठो
रेकीजे टंकप्लकरपारत्तनिनमेहोट वनावे घी
कयाररसडारवझ्र्तामेघुटवावे सिमेकोकपरोटी
करतामेओषधडारपिर सीसीहंडीयामाहिधरहंडी
याँउनेरनभर नोसदिनलेंभांचताहिहंडीयाकोकरी
ये स्वांगसीतलपवेहायजायतबेओषधकाढधरी
ये लालरंगजबहोयजायतबलीजेयलभर लेपल
पलकर्देलींगजातीफलपीपर मगमेलोटंकभरच
र्णवनवाइये मासभरनित्यान्कोचंद्रोदयरषाइ
२७ दोहा जराहरे वलकोकरे सबरोगकोषाय ये
समनहुबलकोप्रवरन ओषधकोय इतिरसवजी
करण १९ दो: जाीपलश्रीरपेनपुनहूसरधत
रेवीज मसिषीघृतसोमेलकापहिसभलेपनकि
ज लिंगलेपनिहकीजेये भ्रहयोताहिवचाय॥
होयलिंगदृढनामहालिंगसियललायाय १०२
सांधगजपीपरीहरदीयादेउर य सरधतरेवीज
विषजातीफलनिर्धार प्रपहिफेनमिलायकरद्र
तमेसमक्कघुटाय लिंगलेपनयाकेरैलिंगसिय
लताजाय मनसल ऊठरलायचीऔरसहागल
य काठचंबेलीपानरसइनसाने लपकाय॥

५८ सिद्धहोय जवैतेलपहिराघपात्रमेडार लेपनकरेता
जुलिंगपरलिंगपरलिंगपरलिंगसिथलतादार २१
५ इतिसिथलता: गजपीपरउष्ठसांगपुनकुष्ठवरहटीव
वेमंगावा मतिघृतसोंलेपकरलिंगसिथलतोजाय
मतास्थलकरावो २२ इतिस्थल मचाससेंधोपीपर
बुअगो नागरकटाइदोय अपामार्गजवकुष्ठतिलसर्सों३ देयो
लावप्सी हाय असगंधपुनतनकरसहितसंगपुटवाय लेप
नमर्दनकरैयोलिंगदीर्घ्वेजाय २३ इतिदीर्घे
अकरकरापुनजायफलजै.वसंधमिलाय विष्ठा
डारकपोतकीऊकेर.पंडमिलाय बाटतिलाकेते
लमैलेपनकरैयेकोउ हयरसकीनाजाहनोता
सोलिंगदृढहोय इतिदृढकरन कानडु[illegible]रन.मा
नकैतिनकारहनिकसाय तिनसोपाद धोटिपुनी
कीभांतबनाय लालकनेरकीछालमैपिपादबु
टवाय लिंगलेपभोगनकैरोतवनाप्रेथमदरबा
य इतिनारीद्रव २५ हरदेहकेरोगसभबरसैजौकी
पेवटाय मौतनवैरसरीरफिरबेहरसाय नप्राह
क सो० मामादैयोपातभंगराकोरसकाढके पथ्य
दूधघरभातकचेकारसोवसैजीय कैघृतसो
स स्त कैदूधसोकैमौंथीमौवाय चरोगवचकेमास
भरमतहसवरोगवटाय कवित जिसदस
टंकडारलोहकीकुडाहीमाह मोचकर आंचता
हरबत्नपकीजीये वादेफिरटंकदसजिसमे

मिलायके हजारपांच पाननको रस चोयाइ दीजीये
खिचरीसो गभ्रो चलतर ०पाठ पति रोनदिन मंद चोयापा
ननरस मोरीचीये ०पाठीपरुर मच्च फलेष नासा के
सम [illegible] राजिसदा उखेनर गदेष लीजीये कवित्
किरकेव होपीसी ने सांमरग होयजात के रस नभि
लावामंगायटापीहवीजीये किनमैषक कुपुरांध
र वकुर सत०प्रांबलीजे जालीविनपकरातभिला
ननमेघर ध्ध वहि०प्रांमककरीये०प्रचार तेलसंधी
सौंकेरदकमलावा०पर०प्रा०मूपाधकाढकार ०प
सीदिनकप्रनरविनाति भषायनोज्ञन सोषि चरी
सोरोटीवपदीजेवे घवर २० श्रय: ऊटिल स
चिकनभ्रमरसमकचयांसेवनतेयान ०प्रगेवा
रोवलकरोसम हस्वरोसमान श्रतिसान क
नी नजारचीसोठपीपरम चेमोषा लोंगछेलाय उ
ची कदवलसामंमा ईये नगरफूलंजातुफा
मोरपर चिरायतासेकेसरले कुठदिमेदायदाय
भरलाईये मसकीदिमेपांचझूटछाणउाव
ड धसम समषसहतडुगनीमिलाईये कर्के
कमामंमल उाषधस रू नामे करकेमजनघ
नपात्रमेमिलाईये ३२ रुप: नामजवारसजा
लीनसबीसदिनषावे कहामयेसिकासस स
परीरोगनसावे कफसेपीडहरै रूसमा

काचै मकासे जवगुन आपनेकौ सक्ल गद छिनमेंको
है बकुम आउन्माद हरसुष दुर्गंद ताकौ देरै पुष्ट
धरै कौ बलकौ खलबलकौ हैसक्र कफ वायगदे ३३
इति जुवारसजालीनस कवित्त संदूस्यान जहा
जहांसदूव छावनैहै तहां सभकाजतजवैथैनि छिं
तम्मा चिंता नाकै नित्य प्रतिमन्मोद भैरदिन चा
लीसनेम चोवचीनी षाय सोचरू भानपान चो
ब चीनी का पह सोरसनित्य हे जमसो नीकेब चा
यवाय चोवचीनी सेवन विधाल सैं यहि सुयानवि
ध कैनरजा य पुष्ट नौतन सरीरपाय ३४ इति चो
बचीनी पान सोया वायकौ पित्त विनास करैजि
हसेवनतें अज्ञान जहानो वोर्यस भ्रमसा
स कास मवेसी लाहवकर सौत्रवन्यो धातक
रै तनमोटो धरै, प्रति असम हावलकारि भानो
रतजजोर उपायसभै मजहूध यहि पैमरसायए
जानो वहिलेपहिरषीये कफपित्त हरैकोरविना
सहजेवायसंधारी पोंजछ षाजे सोमसकरै
मसैवीयैरात्रमिलै योनारी ३५ इति दुग्धसेवन
क० ग्रीष्मऋतु उमंग, संग सेंधे कैवर्वानें सरे
अरतमा ह वंड पीपर सग षाइये सूंठ सो हि तं
तमाहि सितर मलित हते सा वं सेता अरु ते सेवन
वनाइये षी हीमलकटै षाये चरवनकर मूव
वाटैपाईये उबालमल अरुलोका चाहिये ...

सैयेगसंग करीये सेव नयोग्रभ्याको तांके तन्महि
कहोराग रहित पाइये इति अभ्यासेवन इतिवा
कर्णरसाय नकाय ने नामस नमोधाय अथपथ्या
वो रुमार्व मंडूर को छलन क क कस रचायका
रीपित हरनेवषान हलकेषुधावलकरे यलिषात
केगुनयान २ मंगी सीति दोषहरी सोठति हरम
गने कफपित्त रुध पेरु चिहारी वातकारी चने २
वातकर्न वोऊज धत छवाक कोगुनभने कफपि
तलेरुधर विकारकें तो वातहतीमाव २ कफपित्त
वायुमलरुचि हरि पुष्टकरे हेदेह वायमंगमात
सम कीषिचरी केरे नवह ४ वायम वधिनारा
कारीपित नौजान गुन तेरहि चरीया करे कारमा
य भातसमन ५ कफ मांनर रुचवीय करे कार ह
धमतयोहीर वढ कोकरे कफपित को हरे हे यु
सन्द सभी र ६ मंगमोठन की वडी लघुसी तताहि
वषान कफपित्त करनेवा तह तो माव वढ कास
यात ७ वेहरीक कफपित्त करि पवनह तीकाहि
दरकाबलकेरे हरहे पित्तमाते सहि ८ लवणयु
न सहलकी तनपमेमि त्रयुउष्ट विनलवण
कीनीरकों वढिकहि महागारि ९ ते गाउत्पत्त
लहू कासी नगर सर्वापित्तहरे १० प्रगमंदफु
सकरु धरु वाक कफ इनको नमकरे १० सत
सावर हताई पुष्टकारी जलेवीनिहारा

कफपित्तविषूरंभुकरतीवातनहरेतेकसार १२ कफ
पित्तमेरव सहरे विषंवनीगुंजोन कछुतनक
५० वातप्रकोपनवोहरोगुनपहचान कफपित्तर
तोकरे कुपाचन मोषपरघरजान ज्वरकरो
श्रव लोचनरोगहरत्तयमुरुपरघरजान डोडी
पोपुननेवउेवायुओदोषहरतेनिहार १३ सर
श्रपुनपिनहरेकालसाकत्तयान कफवायुह
रेमिमेथीयापुनग्रहरोगिपहचान १४ चंराकक
हेदुरजककेरे पहिकायेकोमलंवत त्रिदोष
हरेसीतलरुलेलोणककलिवुधवंत १५ चो
८ लाईरत रहे मपि नककफविषदग्धगेकिाहरे लघु
सीतरेचीचीच्चमवोदोषकोपुनकरे त्रिदोष
कतोउमलनसलोकेरु नहनुमित्र पोई
करेकफुनीवंकेकाहीहरे सुनमित्र १७ काल
कमसौदीदंतवोस तास्ननापवाउ भीन
लघुसीनकफपरमेहपित्तरेउमेडपहुना
१८ कफवायप्रदोविनाशकारी रामेस्तरोजान
डेडूसकहे लघुवातका मोपथरोगहरे कफपन
हरे चन दीपनमरुापिनहीकेरे सत्यविंबीसी
तगुर कफरोगकारी सहि लोकीकेरे कफवा
यकेअप्रग्रहरोगिएनकही २० नारीकेर कफवा
यको लघुपित्तहारीकही लघुसीतलहेकफाहर

वातकोपीस्र मकोरलापेष २१ लसलागर्भेवाघहरे सुक
कगदैदोष लालमसलीदोषहरोंरीरसुकरैहेदोषर२
मगमाल हरहै, पसान्वानिदोष रूपाहित समकर
सपुष्ठ ओषिनमुमतिरलके, प्रलागुलकाङ्गमीत २३
निर्दोषसीनलछुणपलकेउरभोगुनवाद कफ
कोरसाट१मारवर्रकोचितुनिर्दोषभेदसदोष २४
निर्दोषचिडायटरप्ररु ऊकउकोरेकफदेष २५
कंकोचवकेट साद्रकपित्तमातेहीन कफरुधर
वलवीर्यकोरे हरेसमीरजुमीन २६ अतिपथ्यापथ्य
ऊपे सम्मलासकेमारुलोलासेंधोगुणकारी सल
कषाईमारु तडेसभदोषसंघारी सम्मषटरेम
लिश्रावरे ऊगननहीकरहै कलकटकेमार
सोंठगुनवडुतेधरहै मिष्टनमेवडुषाडवरा
निकनमेपसर,परे २नसाध्य ६ धगुणवंतहै
ओसाथउगनधरे २७ इतिगुणकारी वासोवि
डुःप्रहाररोगतनमारुवधावै इंद्रेवलेकाहरेदेहन
तनकोपावै यांतेनजोवरुडःप्रहारविरोकरो चा
नरपतो ग्रग्रपचाय,प्रच्चउरोमहुणकरे स
मकात्रमा जनकरेयो,संमनकेवीर्यचरे प्रल
मात्रअनिमालसोयावलमानरहरे २८ इति
वरुडःप्रहार सोंठमरचप्परपीपरत्रिजाटानांतो
जान रडेषहेडा,प्रावलीत्रिफला नाहिनक

५१

न २९ तेजपात तजलाय चौ त्रिसंधकहि याते गजकेसरतामे मिले नौकहीये चतुर्थि यात ३० संधासो चरविडलवण सांभर पुन कचलोन एकदेय ते चार पुन पांचलोन कहि मोन ३१ सोंठ चवक चीतक पीपलम्ल जुहोय पंचकोल पुनमचे पुनक गोषदूषणहोय ३२ सजीपुन जवषार मिलषेरे दाय वषान मिलेसुहागा तोहमेतीन षार सान ३३ पांडुवेल उमेर पुन सोन कभौंगी जान पंचमूलक हिवहुकी दोदेदाय वषान ३४ दोयकरइगोष दूदोयपरेगी समनल पंचमूलल घुजानहे पंचमूलदसमूल ३५ एतो चंद्रसनहै चंद्र तांरवषान हरदहरदी प्रकर दानो हर्दीजान इतिलघ्या: ऊलषी मदरा लोण पुनसागकरार वेल हथड्डी वेजान हे पायेजु इनको मेल औरविन पयद सघरी औरयाधरीयेबीस घ्रषकजवत मिरहे दधपयसमदीस तेलहथ ऊकट सराजवलाके संगषाय दहीदूधके याते कहि हमदया वताय ३६ ढपे दूनवे सहि नसंगयातमठा रन ३३ मद्दलोके संगको

३७ के

कैरेयथ्या ऊष्ट नन । तीनरलवावटेरमेतरमेग
तजरेवनाक्षर पायये॥ इनकेभाम मतलमतिह
धपानकर इसदिनकांहीपत्रमेरा देयेवतावि
षसमवहि चतनमधदोनोतु साकरषागाह
मीचेलही ४॰ निंबूरसकारसके संगविषजान
नेलखैहि ध्यरेकेनके तेलनीरविषमान इतिवि
रुड्हारै कवित्त वाहगभरवरकतमल
कतमारंगधर वीसहोंवलाकको वचारके रस
मंजरी ओरस रत्नाकर मधै पुनरतरवाकेरके
त्ररतनिकारके निबंधरभावी औषधवादीन
केप्रयोग राषेवहिमे प्राकृतज्ञानके मतअनु
सारयमेग्रंथनकेकाढसार नामयहिचिकित्सा
सारकस्योहे सुधारके छंद मंगलकारीव
सकारुजगपतपरजोको तुमहीमेरनहारु
वतनकीदेहरजाको वैद्यानजगदान तोन
होजेधीयेको परयार होनाहशरो भजेनोनाह
पदनीजेको मंगलताहि निश्चमयायालागान
ग्रंथमे प्रभसिद्धसिद्ध करो औषधसमेयोराषी
यांग्रंथमे इतिश्री चिकित्सासार ग्रंथ धीर्ये
रामकृतेसमग्रं शुभी भूयात
सम्वत् १९ ४३ ... ॥ शुभम्

52

त्रिधांतविध पारातोला१ संधीयाताल पाअर्के
दुग्धमे घलेकनी रिकी वरणाउली केरकटेरिमें वेदी
वरणाउली केर दिकीमिरीदी३ नेरकिरिष दली ३प्र
कटेरीरदली भांडेवि चरवकेल एथावल्ली म
हथांवकली द्रुईमिरिनाल अप्रादेवली पस्२५
कठेबल लेकली बुराकर नीम्रदी उसूवाल
नजल निवताय थारके पाणीमध स्तरमि
चोका लीयांप पृथु नरादीरेरी जिसके
पाणीहावे मन्लके साथ अन्नपानवेदन ल
मगायकह थारकेमिश्रिपाकेदेशे मरीदि
दालपथ्य सल्नगालेके मन्नकेसाय
हडीपीडाहावेमन्लके साथ इति त्रिधांत:

पथ्यादिगुटीस लेगटंका१ अकरकरा टं१ सं
ठ टं१ मचे१ मजा१ पिप्पलमूल१ दालचीनी
१ केसर टं१ जायफल१ रत्नाचंद्र तोले२ वरा
सन्नकोवा दीवला मलायको रती१ नुर्द्ध
मुष्कवदायनको टं घक पारा सजी नस्ता
ह समानलेश परिककरो प्रात्सी मैथी
मे अगन वहरर देय एचुल्ले उ अधमवे

वावड़िंगटंक १ सजी १ मेती १ हिडं १ मेमत्रमेंदो
रता कैजेमेन रटकी पका करी रिकी लाम
होवे तेकड़री तेल मरा मैसी में हिमावाले
कोनमस्कार देवरीन जमेसर्व जडजाये
पारा टं १ मर्चो टंक १ जैपालदाणे ७ मगा ४०
समची जो वरले रूवबकर कराति या फेर
चोटली वनमरी वकरी दबूध मेर । मे
दोला जंत्रकर रा दुधपा दरा वादको
मरमेमाय न करो वि कमे पावरा
धुंमन ता पकोहैं पारा मासं १ गंधको
खि ॥। हड ।।। वरलक वडुत मन्तको
कोसी मछो रही १ देदो तेनवा ल हरत
मिठा मचो प्रकरोकन कीज ब्रास्र मा
स्कारत मेगे लीजरी समे दतिन्नदाणे मा
फका सन्नवाले कन्वा मेरी गोली यर

५३ अथपंचांगमरम: लंगो केंग भेगोरजा मिर्च गंधक
पारे रुमान एक दीपहर लपवहाउ रतभागदय्येच
लताइ नीनेधडं लीमुडतले ३ अर्के लीकी मावना
दे ३ चारपहर ए मर्दालही चपीयमगुजकी कोली
बनपाने रीजेदही भात हिनजाने तक्रलेतपु
थ्याप्तरकाने अभिनितकही प्रधान लुध्यलेप
जरख प्रथम यांमेदरखनार हैदान भांतिसट
धमकेरपान सीतलजलभीकलौ प्रधान थी
कावूसंकनहीमान ज्वरोकस्तु चनाकलीद
सटंके नाके सम हर्ताल मिल्या रसकनाम्न कुवार दृचि बाल रता
दो मही चारपहर लीइककारकरि संपटकार
केगजपुटकार सीतलकर फलेहानिकार थंउ
गयाथरा रतीदे ३ उष्ण नामानीरपिवर निज
रकांमर नेईयाजाय चौथय्वर कानसकारी
प अंद मारकी बातवपानी नेयवनादे मेह
पानी पुबादिचलोष्वान नयवालेन्द्री
रमिश्रीनाते चौथेदीदिव रसीयमो।२
सिंगरफमासे ६ मगा २ सिंगलवार बनाउ
मेथुडुकनराम गोलीराईसमान पहलेदिन
१ दूजे २ तीजे ३ चौथे ४ पथ्यभीतदुग्ध

दवबंगदी संबतो० १ हिंगी तोला १ पारा तो। गंधक
तो। ४ प्रथमक जली करे फिर प्रक दे दुग्ध विषरले
फिर संपट करके गजपुट फूलकरनी
मिर्चा ४० इनमे पाके दिन ४० तांई राजरोग
क्षय ईई को दूर करता है इति

गंध/क पारा विजया अभरक वल्मा देव तीनचार
...
देव ... ... हर्हेसंग
रती ४ संग्रहरणीनू प्रथरकर घातपन
दिन ... ... तबचोला १ पारा हाटकहीरा
तांबा रुपा मणी हरताल ...
न तीलाहलमो ... पंचलूण दिन भरवा
श्री षीर विषबरलकरे संपुटकरकेग
जपुट दे चौलभर प्रदकान रलाल
वामद्राद्वे कोडेनाल कंपवाई पंदपाधी
न जोल चौरासीवाय दूर होवे।

ਮਜੰਨ ਦੀ ਕੇਸਰ ਕਾ ਧਾਰਾ ੪

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰۷

۲۲

۶۶ ۸

At

